हिन्दी दैनिक

आर.एन.आई.नं.:-UPHIN/2005/16132

उपभोक्ता की दुनिया

श्रावस्ती से प्रकाशित

वर्ष : 21 अंक : 10 | श्रावस्ती, सोमवार 16 जून 2025 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 1 रूपया

लालू यादव पर एक बार फिर भडकी भाजपा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद उस समय विवादों में घिर गए जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें कथित तौर पर उनके पैरों के पास दलित नेता बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की तस्वीर रखी हुई दिखाई दे रही है। वीडियो में लालू एक सोफे पर बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं और उनके पैर पास ही एक सोफे पर रखे हुए हैं। इसी दौरान एक समर्थक अंबेडकर की तस्वीर लेकर कमरे में प्रवेश करता है और उसे उनके पैरों के पास रखकर उनका अभिवादन करता है। बिहार के उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी ने भी इस घटना का एक वीडियो क्लिप साझा किया, जो उस समय हुआ जब पूर्व सीएम इस सप्ताह की शुरुआत में अपना 78वां जन्मदिन मना रहे थे। चौधरी ने आरोप लगाया, ष्यह इस बात का प्रमाण है कि लालू प्रसाद दलितों का तिरस्कार करते हैं ।

ईरान में भारतीय दूतावास ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

नई दिल्ली (एजेन्सी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच, ईरान में भारतीय दूतावास ने कई हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं और ईरान में वर्तमान में भारतीय नागरिकों के साथ संचार के लिए एक टेलीग्राम लिंक भी बनाया है। एक्स पर कई पोस्ट में विवरण साझा करते हुए दूतावास ने कहा कि टेलीग्राम लिंक केवल ईरान में भारतीय नागरिकों के लिए है। ईरान में भारतीयों से अनुरोध है कि वे भारतीय दूतावास से स्थिति पर अपडेट प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित लिंक से जुड़ें – https://t-me/indiansiniran - संपर्क में बने रहने को कहा। इसने संचार के लिए कई संपर्क नंबर भी जारी किए। संपर्क नंबरः केवल कॉल के लिएः 1. 98 9128109115, 98 9128109109 व्हाट्सएप के लिएः 2. 98 901044557, 98 9015993320, 91 8086871709

पंजाब में केजरीवाल पर बरसीं रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेन्सी)। लुधियाना में उपचुनाव के बीच दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता वहां प्रचार के लिए पहुंची हैं। रेखा गुप्ता ने आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि जहरीली शराब से लोग मर रहे हैं लेकिन आप (अरविंद केजरीवाल) क्या कर रहे हैं? आप बिल्डर माफिया के साथ मिलकर गरीब किसानों की जमीन हड़प रहे हैं। दिल्ली की जनता जिसने आपको (अरविंद केजरीवाल) इतना समर्थन दिया था, वो आपसे थोड़ा नाराज हो गई और आप पंजाब में आकर बैठ गए। रेखा गुप्ता ने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल ने राज्य सरकार को खोखला कर दिया है... आज आपने (केजरीवाल) अपनी गलत नीतियों के कारण इसे 4 लाख करोड़ के कर्ज तले दबा दिया है।

तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार पर बोला हमला

बिहार (एजेन्सी)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर से नीतीश सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने सीएम नीतीश कुमार के 20 साल के कार्यकाल पर सवाल उठाया। सोशल मीडिया पर उन्होंने कहा कि बिहार को अब 20 साल पर पुरानी सरकार नहीं है। सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार का विकास रूक सा गया है। विकास संकेतकों में सबसे नीचे है। नीति आयोग की सूची का हवाला देते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हमें दुख होता है जब बिहार नीति आयोग के सभी सूचकांकों में सबसे फिसड्डी निकलता है। उन्होंने कहा कि बिहार देश में सबसे गरीब राज्य है। सबसेअधिक पलायन बिहार से है। बेरोजगारी सबसे ज्यादा बिहार में ही है। 20 साल से नीतीश कुमार जी मुख्यमंत्री है, 11 साल से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री है लेकिन बिहार का क्या मिला, क्या विकास हुआ?

गृहमंत्री अमित शाह ने सिपाहियों को बांटे नियुक्ति पत्र, बोले- अब यूपी में गुंडों को वीआईपी ट्रीटमेंट नहीं मिलता, सीएम योगी रहे मौजूद

लखनऊ (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 60,244 से अधिक पुलिसकर्मियों की सामूहिक भर्ती को राज्य के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह रविवार को लखनऊ में 60,244 नवचयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपी। मुख्यमंत्री योगी ने राज्य के युवाओं के सपनों को हकीकत में बदलने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को भी दिया। अमित शाह ने कहा कि आज यहां उत्तर प्रदेश पुलिस बल में जो नई भर्तियां हुई हैं, उनमें 12 हजार से अधिक महिलाएं हैं। अमित शाह ने कहा कि हमने महिलाओं के लिए जो आरक्षण दिया था, उसे उत्तर प्रदेश में पूरी तरह लागू किया गया है। अगर मैं पीएम मोदी के शब्दों का इस्तेमाल करूं तो आप श्अमृतकालश में यूपी पुलिस में शामिल होने जा रही हैं। उन्होंने कहा कि आज मेरे सामने बैठे युवाओं के जीवन का सबसे शुभ दिन है क्योंकि आज उत्तर प्रदेश के हर जाति, समुदाय और जिले का प्रतिनिधित्व करने वाले 60 हजार से ज्यादा युवा भारत के सबसे बड़े पुलिस बल का सक्रिय हिस्सा बनने जा रहे हैं। राज्य की कानून व्यवस्था लगातार बिगड़ती जा रही थी। लेकिन 2017 में राज्य में भाजपा की सरकार बनने और योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस फिर से नई ऊंचाइयों को छूने की ओर अग्रसर हो गई। गृहमंत्री अमित शाह ने लखनऊ डिफेंस एक्सपो मैदान में नवचयनित सिपाहियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। नवचयनित 60244 सिपाहियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर उनके साथ सीएम योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। अतंरिक्ष के क्षेत्र में हम सोच नहीं सकते थे, कि भारत कभी वहां पहुंचेगा। लेकिन हम चंद्रमा के उस हिस्से पर पहुंचे जहां पूरे विश्व में कोई नहीं पहुंचा। आज अयोध्या में रामलला भव्य मंदिर में विराजमान हो चुके हैं। काशी विश्वनाथ में कॉरिडोर बन चुका है। सोमनाथ मंदिर सोने का बनाने की दिशा में काम हो रहा है। वक्फ बोर्ड से आज कोई कानी पाई भी नहीं चुरा सकता। वक्फ कानून से रोका गया है। आखिर में गृहमंत्री ने कहा कि आज यहां उत्तर प्रदेश पुलिस बल में जो नई भर्तियां हुई हैं, उनमें 12 हजार से अधिक महिलाएं हैं। हमने महिलाओं के लिए जो आरक्षण दिया था, उसे उत्तर प्रदेश में पूरी तरह लागू किया गया है। अगर, मैं पीएम मोदी के शब्दों का इस्तेमाल करूं तो आप श्अमृतकालश में यूपी पुलिस में शामिल होने जा रही हैं। आप सभी युवा यूपी पुलिस का हिस्सा बनिए। गरीब, वंचित को आपके अंदर मसीहा दिखना चाहिए।

ऐसा काम कीजिए। यूपी में अच्छा काम करते हुए आप देश की सेवा करेंगे। पिछले 11 साल के अदंर देश में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए। करोड़ों लोगों को गैस सिलिंडर, पांच लाख तक का मुफ्त इलाज, किसान को छह हजार रुपये सालाना देकर मोदी सरकार ने एक नया उजाला देने का काम किया है। जब नरेंद्र मोदी आए तब देश अर्थतंत्र में 11वें नंबर पर था।

मोदी ३ देशों के दौरे पर रवाना, पहले साइप्रस जाएंगे,इंदिरा, अटल के बाद साइप्रस जाने वाले तीसरे भारतीय

नयी दिल्ली (एजेन्सी) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को 3 देशों की 4 दिन की यात्रा पर रवाना हो गए हैं। वे साइप्रस से इस दौरे की शुरुआत करेंगे, फिर कनाडा और क्रोएशिया जाएंगे। इस दौरान वे 27 हजार 745 किमी का सफर तय करेंगे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, पीएम 15–16 जून को साइप्रस में रहेंगे। 16 और 17 जून को कनाडा में जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इसके बाद वे 18 जून को क्रोएशिया जाएंगे। 19 जून को भारत लौट आएंगे। मोदी साइप्रस जाने वाले तीसरे भारतीय प्रधानमंत्री होंगे। इससे पहले 1983 में इंदिरा गांधी और 2002 में अटल बिहारी वाजपेयी ने इस देश का दौरा किया था। भारत और साइप्रस के कूटनीतिक रिश्ते हमेशा मजबूत रहे हैं, लेकिन इतने उच्चस्तरीय दौरे बहुत कम हुए हैं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 2018 में और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 2022 में साइप्रस का दौरा किया था। मोदी राजधानी निकोसिया में राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलाइड्स से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा लिमासोल में व्यापारिक नेताओं को संबोधित करेंगे। साइप्रस में 2015 तक 2700 भारतीय रहते थे। साइप्रस में भारत के उच्चायुक्त मनीष ने बताया कि यह संख्या अब लगभग 11,500 तक पहुंच गई है। जो कि पिछले 10 सालों में 4 गुना तक बढ़ी है। यहां भारत का योग और आयुर्वेद भी बेहद लोकप्रिय है। कई भारतीय युवा यहां योगा टीचर का काम कर रहे हैं।

केदारनाथ के पास हेलिकॉप्टर क्रैश, ७ की मौत, पैदल रूट पर मलबा गिरने से यात्री की मौत

रुद्रप्रयाग (एजेन्सी) केदारनाथ के पास गौरीकुंड में रविवार सुबह करीब 5.20 बजे हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। इसमें पायलट समेत सभी 7 यात्रियों की मौत हो गई है। मरने वालों में महाराष्ट्र का 2 साल का बच्चा भी शामिल है। हेलिकॉप्टर श्रद्धालुओं को लेकर केदारनाथ मंदिर से गौरीकुंड के लिए उड़ा था। शुरुआती जानकारी में खराब मौसम को हादसे की वजह बताया जा रहा है। हेलिकॉप्टर आर्यन एविएशन कंपनी का है। इस बीच, चार धाम यात्रा हेलिकॉप्टर सर्विस पर रोक लगा दी गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा हेली सर्विस के संचालन को लेकर सख्त नियम बनाए जाएंगे। इसमें हेलिकॉप्टर की तकनीकी स्थिति की जांच और उड़ान से पूर्व मौसम की सटीक जानकारी लेना अनिवार्य किया जाएगा।

इधर, जंगलचट्टी के पास खड्ड में मलबा और पत्थर गिरने से श्री बाबा केदारनाथ धाम जाने वाला रास्ता क्षतिग्रस्त हो गया है। इससे एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके बाद सोनप्रयाग से केदारनाथ धाम जाने वाले रूट को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। पैदल मार्ग से यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं, जिनमें सड़क क्षतिग्रस्त होने से पहले केदारनाथ धाम के लिए रवाना हो चुके श्रद्धालु भी शामिल हैं, उनकी प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। हेलिकॉप्टर में यूपी–महाराष्ट्र के 2–2 और उत्तराखंड, गुजरात के 1–1 यात्री थे। पायलट राजवीर सिंह चौहान जयपुर, राजस्थान के रहने वाले थे। गौरीकुंड से एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीमों को भेजा गया है। आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप ने बताया कि आग में झुलसने की वजह से डेड बॉडी को आईडेंटिफाई करने में मुश्किल हो रही है। मृतकों का क्छ। टेस्ट होगा, उसके बाद ही शव परिजन को सौंपेंगे। हेलिकॉप्टर क्रैश में जान गंवाने वालों में पायलट राजवीर सिंह (जयपुर, राजस्थान), विक्रम सिंह रावत (ऊखीमठ, उत्तराखंड), विनोद देवी (उत्तर प्रदेश), तृष्टि सिंह (उत्तर प्रदेश), राजकुमार सुरेश (गुजरात), श्रद्धा राजकुमार जायसवाल (महाराष्ट्र), काशी (महाराष्ट्र), हादसे को लेकर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा रुद्रप्रयाग में हेलिकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने की दुखद खबर मिली है। एसडीआरएफ, स्थानीय प्रशासन एवं अन्य रेस्क्यू दल राहत एवं बचाव कार्यों में जुटे हैं। सभी यात्रियों के सकुशल होने की कामना करता हूं। जंगलचट्टी के पास गधेरे में मलबा पत्थर गिरने से केदारनाथ धाम जाने वाला मार्ग टूट गया है। इसके बाद प्रशासन ने सोनप्रयाग से केदारनाथ धाम तक का मार्ग अगली सूचना तक बंद कर दिया है। इससे केदारनाथ पैदल यात्रा अगले आदेश तक स्थगित कर दी गई है। रुद्रप्रयाग पुलिस ने तीर्थयात्रियों से अपील की है कि वे जहां हो उसके पास सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं।

अहमदाबाद प्लेन हादसा-विजय रूपाणी के शव की पहचान हुई,राजकोट में कल होगा अंतिम संस्कार

अहमदाबाद (एजेन्सी) अहमदाबाद विमान हादसे में जान गंवाने वाले गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी के शव की पहचान हो गई है। रविवार को उनका डीएनए मैच हो गया। परिवार के मुताबिक, राजकोट में सोमवार दोपहर 3 बजे अंतिम संस्कार किया जाएगा। 12 जून को हुए प्लेन क्रैश में मरने वालों का आंकड़ा 275 पहुंच गया है। आज सुबह तक 248 शवों के क्छ। सैंपल लिए गए। इनमें से 31 की शिनाख्त हो गई है, 20 शव परिजन को सौंपे गए हैं। उनके डेथ सर्टिफिकेट भी उपलब्ध कराए गए। एम्बुलेंस के जरिए सिक्योरिटी के साथ शवों को उनके गृहनगर पहुंचाया जा रहा है। इसके लिए 230 टीमें बनाई गई हैं, जो मृतकों के परिजनों के सीधे संपर्क में हैं। 192 एम्बुलेंस और वाहन स्टैंडबाय पर हैं। हादसे में जान गंवाने वाले विदेशी नागरिकों में से 11 के परिजन आज अहमदाबाद पहुंच सकते हैं। शवों को रखने के लिए 170 ताबूत बनाने का ऑर्डर दिया गया है। इनमें से करीब 100 ताबूत वडोदरा से अहमदाबाद लाए गए हैं। बाकी के ताबूत बनाने का काम जारी है।

हर नागरिक को तीन साल के अंदर न्याय दिलाने की होगी व्यवस्था : अमित शाह

लखनऊ (एजेन्सी) केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि सरकार अगले पांच साल में ऐसी व्यवस्था बनाने जा रही है जिससे हर नागरिक को प्राथमिकी दर्ज होने के तीन साल के अंदर न्याय मिल सके। शाह ने यह भी दावा किया कि 31 मार्च 2026 तक देश नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त हो जाएगा। गृह मंत्री ने उत्तर प्रदेश पुलिस में 60,244 नवनियुक्त सिपाहियों को नियुक्ति पत्र वितरण के अवसर पर अपने संबोधन में कहा, ''भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, यह तीनों कानून.... मैं आज आप सबके सामने बोलकर जा रहा हूं कि पांच साल के अंदर देश में ऐसी व्यवस्था बन जाएगी कि कोई भी प्राथमिकी दर्ज हुई तो नागरिक को उच्चतम न्यायालय तक तीन साल के अंदर न्याय मिल जाएगा। उन्होंने कहा, ''सीसीटीएनएस, आईसीजेएस और फॉरेंसिक साइंस की सारी सुविधाओं और तकनीक के आधार पर न्याय को आगे बढ़ाने की व्यवस्था करनी है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 11 साल के कार्यकाल में देश सुरक्षित हुआ है। उन्होंने कहा, ''सबसे बड़ी बात है कि मोदी जी के 11 साल में देश सुरक्षित हुआ है। देश के 11 राज्यों में नक्सलवाद हुआ करता था। अब 11 सालों में 11 राज्यों में से नक्सलवाद तीन जिलों में बचा है. ... और मेरी बात याद रखना, 31 मार्च 2026 को यह देश नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा। गृह मंत्री ने केंद्र सरकार द्वारा पाकिस्तान और उसके द्वारा प्रायोजित आतंकवाद को करारा जवाब दिये जाने का जिक्र करते हुए कहा, ''कांग्रेस के शासन में आए दिन आतंकवादी हमले होते थे। अहमदाबाद, दिल्ली, मुंबई, जयपुर, कोयंबटूर और कश्मीर की तो बात ही छोड़ दें। मोदी जी के शासन में पाकिस्तान ने जब उरी में हमले का प्रयास किया तो हमने सर्जिकल स्ट्राइक की, पुलवामा में किया तो हमने एयर स्ट्राइक की और पहलगाम में किया तो ऑपरेशन सिंदूर के जरिए आतंकवादियों के मुख्यालय को चूर–चूर कर दिया। उन्होंने कहा, ''नरेन्द्र मोदी जी ने पूरी दुनिया में एक संदेश भेजा है कि भारतीयों का खून जमीन पर बहाने के लिए नहीं है और जो भी यह हिमाकत करेगा उसको दंड दिया जाएगा। 'ऑपरेशन सिंदूर ने एक सख्त संदेश पूरी दुनिया को भेजने का काम किया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, ''हमारी सेना के वीर जवानों की सटीक मारक क्षमता ने जहां आतंकवादी बैठकर गरजते थे, इंटरव्यू देते थे, बयान देते थे उन्हीं अड्डों को जमींदोज कर दिये। अब उनके रोते हुए इंटरव्यू आ रहे हैं। यह सशक्त भारत का एक नया युग शुरू हुआ है। शाह ने नवनियुक्त पुलिसकर्मियों को कहा, ''आपका डर गुंडागर्दी करने वालों और माफिया पर सख्त से सख्त होना चाहिए और गरीब, दलित, पिछड़े और आदिवासियों को आप में मसीहा दिखाई पड़ना चाहिए। इस तरह से उत्तर प्रदेश के माध्यम से आप देश की सेवा करेंगे, इसका मुझे भरोसा है। इस अवसर पर गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक ने 15 नवचयनित पुलिसकर्मियों को नियुक्ति पत्र वितरण किये। इससे पहले, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक और उनके तमाम मंत्रिमंडलीय सहयोगियों तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने हवाई अड्डे पर गृह मंत्री अमित शाह की अगवानी की। कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने भी संबोधित किया।

केदारनाथ से गुप्तकाशी आ रहा हेलिकॉप्टर क्रैश, सात की मौत, दो दिन हेली सेवा पर रोक

उत्तराखंड (एजेन्सी)। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग के गौरीकुंड क्षेत्र में बड़ा हादसा हुआ है। रविवार को सुबह–सुबह केदारनाथ रूट पर श्री केदारनाथ धाम से गुप्तकाशी जा रहा एक हेलिकॉप्टर गौरीकुंड के पास क्रैश हो गया। हेलिकॉप्टर में कुल सात लोग सवार थे। दर्दनाक हादसे में सातों लोगों की मौत हो गई, मृतकों में 23 महीने का बच्चा भी शामिल है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीमें भी पहुंच गई हैं। अगले आदेश तक हेलिकॉप्टर सेवा रोक दी गई है। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने केदारनाथ–गौरीकुंड के बीच हुए हेलीकॉप्टर हादसे के बाद सीएम आवास से वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वर्चुअल उच्च स्तरीय बैठक की। उच्च स्तरीय बैठक में राज्य के मुख्य सचिव, आपदा प्रबंधन सचिव, यूकाडा के सीईओ, गढ़वाल कमिश्नर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। दो दिन हेली सेवा के संचालन पर रोक लगा दी गई है। जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह आर्यन कंपनी का हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। गौरीकुंड क्षेत्र में यह हादसा हुआ है।

घटना सुबह 5.30 बजे की बताई जा रही है। हेलिकॉप्टर के क्रैश होने की वजह खराब मौसम बताई जा रही है। हेलिकॉप्टर नोडल अधिकारी राहुल चौबे और जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने हेलिकॉप्टर के क्रैश होने की पुष्टि की है।

मथुरा में बड़ा हादसा...टीला खिसकने से पांच मकान गिरे, कई लोग मलबे में दबे

मथुरा (एजेन्सी)। मथुरा के गोविंद नगर क्षेत्र में रविवार को बड़ा हादसा हो गया। शाहगंज दरवाजा क्षेत्र में सिद्ध बाबा मंदिर के पास टीला खिसकने से पांच मकान धराशायी हो गए। चीखपुकार मच गई। सूचना पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी पहुंच गए। बचाव कार्य शुरू करा दिया गया। शाहगंज दरवाजा क्षेत्र में सिद्ध बाबा मंदिर के पास बहुत पुराना टीला है। रविवार को ये अचानक से खिसकने लगा। इससे पांच मकान देखते ही देखते में मलबे में तब्दील हो गए। मकान में रहने वाले परिवार और पास ही निर्माणाधीन दीवार पर काम कर रहे मजदूरों समेत एक दर्जन लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। पुलिस प्रशासन की टीम ने जेसीबी व अन्य मशीनों के जरिए मौके पर राहत बचाव कार्य शुरू करा दिया है। अब चार लोगों को मलबे से निकाला गया है, जिन्हें गंभीर हालत में जिला अस्पताल भेजा गया है। इनमें दो बच्चियां भी हैं। बताया गया है कि दोनों सगी बहनें अपनी नानी के यहां आईं थीं। प्रत्यक्षदर्शी लेखपाल संजय रोहिला ने बताया कि घटनास्थल के पास ही उनका घर है। वह अपनी कार गैराज से निकालने के लिए बाइक से आए थे। साथ में पत्नी और बेटा भी थे। तभी अचानक से टीला गिरता हुआ नजर आया। संजय ने बताया कि वह बाइक को वहीं छोड़कर परिवार के साथ भागे।

ईरानी हमले में १० लोगों की मौत, इजरायली राष्ट्रपति ने जानमाल के नुकसान पर जताया शोक

तेल (एजेन्सी) अवीव इजरायल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने रात भर हुए ईरानी मिसाइल हमलों में जानमाल के नुकसान पर गहरा दुख जताया है। इन हमलों में इजरायल के कई शहरों में कम से कम 10 लोग मारे गए हैं, जबकि 200 से अधिक घायल हुए हैं। इनके अलावा सात लोगों के लापता होने की खबर है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हर्जोग ने इसे बहुत दुखद और मुश्किल सुबह बताया है। इसहाक हर्जोग ने लिखा, बैट याम, तमरा और अन्य इलाकों में नागरिक आबादी पर ईरानी हमलों में शनिवार रात हमारी बहनों और भाइयों की हत्या कर दी गई। कई लोग घायल हुए। मैं पीड़ित परिवारों के साथ इस शोक में शामिल हूं। मैं इस भयानक नुकसान का शोक मनाता हूं। मैं घायलों के ठीक होने और लापता लोगों को खोजने के लिए प्रार्थना करता हूं। हम एक साथ शोक मनाएंगे। हम एक साथ जीतेंगे। द टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के अनुसार इन मिसाइलों से तेल अवीव, बैट याम और उत्तरी शहर तमरा पर हमला किया गया, जिससे भारी तबाही हुई। अकेले बैट याम में, लगभग 20 लोगों की तलाश जारी है, जिनका अभी तक पता नहीं चल पाया। इजरायली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने पुष्टि की है कि होम फ्रंट कमांड के सर्च एंड रेस्क्यू ब्रिगेड के सैनिक ईरानी बैलिस्टिक मिसाइलों से प्रभावित स्थलों में बचाव अभियानों में जुटे हुए हैं। आईडीएफ के अनुसार, एक हमले वाली जगह पर चार लोग मारे गए, जबकि अलग–अलग हमलों में 100 से अधिक लोग घायल हो गए।

इन हमलों में कुल मिलाकर, मरने वालों की संख्या कम से कम दस तक पहुंच गई है, जबकि घायलों की संख्या 200 से ज्यादा है। सेंट्रल इजरायल के अस्पतालों में फिलहाल घायलों का इलाज चल रहा है। होलोन स्थित वोल्फसन मेडिकल सेंटर में 65 लोग भर्ती हैं, जिनमें से पांच की हालत गंभीर बताई गई है। सात मामूली रूप से घायल हैं, और बाकी को हल्की चोटें आई हैं। बीश्एर याकोव स्थित शमीर मेडिकल सेंटर 28 लोगों का इलाज कर रहा है, जिनमें से एक की हालत गंभीर है, एक स्थिर है, जबकि 20 लोगों को हल्की चोटें आई हैं। एंग्जायटी से पीड़ित छह लोगों का मनोवैज्ञानिक इलाज चल रहा है। तेल हाशोमर स्थित शेबा मेडिकल सेंटर ने 37 घायलों को भर्ती किया गया है।अशदोद स्थित असुता मेडिकल सेंटर में फिलहाल पांच लोगों का इलाज जारी है। इनमें से एक की हालत गंभीर है, जबकि अन्य की हालत स्थिर है।

सम्पादकीय

जिंदगी में मोहब्बत का पौधा लगाने से पहले जमीन परख लेना!!

हर एक मिट्टी की फितरत में वफा नहीं होती दोस्तों!!

समय की रफ्तार ने हाहाकार मचा दिया है!कल का महाबली पुरुष समाज चित्कार कर रहा है!आज कल बाबू, सोना, के हाथो ड्रम तथा सुटकेश मे भरा जा रहा है!हर रोज एक नई घटना सुनना लोगों की आदत में शुमार हो गया !एक जमाना था रोजाना बहुओं की दर्द भरी कहानी सभी की जुबानी सुनी जाती थी!रोज किचन में आग लग जाती थी!आजकल बोरा ड्रम सूटकेश, में पुरूषों की घर के भीतर लाश बरामद हो रही है!आखिर यह बदलाव जिस गहरे घाव को उद्घाटित किया है इससे तो एक नये संकीर्ण समाज का खतरनाक उद्भव ही नजर आ रहा है!कभी हत्या जैसी जघन्य सोच पुरुष समाज में प्रचलित रही है! मगर आजकल तो ठीक उल्टा हो गया! कभी पति ब्रता पत्नी पतियों के लिए यमराज से लड़ जाती थी वहीं समाज आज कुल्टा हो गया है!आखिर क्यो! इसके लिए जिम्मेदार कौन है!आज का प्रबुद्ध वर्ग बिल्कुल मौन है! सभी ने इस परिवर्तन को स्वीकार कर लिया है!हर दर्द को अंगीकार कर लिया है! वास्तविकता के धरातल पर जबसे भारतीय संस्कृति पर पाश्चात्य सभ्यता का रंग रोगन चढ़ा तभी से यह माहौल बिगड़ा ।अब न लाज रह गया न लिहाज! खुलेयाम ब्याफ्रेन्ड का चल रहा है रिवाज!और इसकी स्वीकृति दे रखा है वर्तमान में आधुनिक कहे जाने वाला समाज जिसका दुष्परिणाम सामने दिख रहा है! हर घर में कलह,आपसी वैमनस्यता,नियन्त्रण विहीन परिवार, फैशन के नाम पर नग्नता, बोली भाषा में उदंडता,न शर्म न हया, पर्दा में रहने वाली आबरू खुल्लम खुल्ला बनकर घूम रही है बेहया!,घर के भीतर होती है शराब पार्टी, फैसन के नाम पर घर मुखिया दे रहा है बदचलनी के माहौल में नग्नता की अथार्टी!आज की शिक्षा दीक्षा की समीक्षा में शालीनता गायब है!मलीनता, फूहडपना, ही जायज है,! धर्म कर्म से दूर मगरूर आज की नई पीढ़ी जिस सीढ़ी से तरक्की के कोठे पर चढ़ रही है वहां की आधुनिक बाजार में सिर्फ बर्बादी का सामान ही बिकता है। पुरुष समाज कालीदास बन चुका है!आपने ही कर्मों की सजा भुगत रहा है!कलयुग मुस्करा मुस्करा कर बता रहा त्रिया राज का आगाज हो चुका है!अबला अब अबला नही सबला बन चुकी है सावधान!पूरी तरह बदल रहा है हिन्दुस्तान!जैसी करनी वैसी भरनी! आधुनिकता तथा फैशन के नाम जो गार्जियन अपनी औलादों सेअपना नाम रोशन करवा रहे है वहीं औलादें सूटकेश तथा ड्रम में भरी जा रही है। परिवर्तन की कश्ती पर सवार आधुनिक जनरेशन फेसबुक से दोस्ती इंस्टा ग्राम वाटशप से मस्ती कर जिस समाज का निर्माण कर रही उसके पहले चरण का अभी परिणाम दिख रहा है अभी तो तीन चरण बाकी है! कल क्या होगा मालिक जाने। सावधानी हटी दुर्घटना घटी!

अपने ही लोगों का दुश्मन है पाकिस्तान, अधिकारों का लगातार हनन

पाकिस्तान मोहम्मद अली जिन्ना की 'टू नेशन थ्योरी' के आधार पर बना। जिन्ना का यह मानना था कि हिंदू और मुस्लिम एक साथ नहीं रह सकते। दोनों आवश्यक रूप से दो अलग राष्ट्र हैं। इसलिए इन्हें दो देश के तौर पर अलग होना चाहिए, लेकिन उनकी यह मानवता विरोधी थ्योरी 1971 में ही खंड–खंड हो गई, जब पूर्वी पाकिस्तान अलग होकर बांग्लादेश का निर्माण हुआ। पूर्वी पाकिस्तान के बांग्लाभाषी लोगों ने अलग देश का निर्माण क्यों किया? ये बांग्ला भाषा के आधार पर बंगाली हैं, लेकिन पंथ के आधार पर मुस्लिम हैं। मुस्लिम होने के बावजूद उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ बड़ी लड़ाई लड़ी और भारत की मदद से पाकिस्तान से अलग होकर बांग्लादेश के रूप में अपने लिए एक नया राष्ट्र बनाया। इस लड़ाई में लगभग 30 लाख लोग मारे गए, लाखों हिंदू और मुस्लिम महिलाओं के साथ पाकिस्तानी सेना ने दुष्कर्म किया। इसे 20वीं शताब्दी के एक बड़े नरसंहार के रूप में जाना जाता है। पाकिस्तान में करीब 98 प्रतिशत मुस्लिम हैं, लेकिन अधिकांश पंजाबी मुस्लिमों के प्रभुत्व और दमन के शिकार रहते हैं और पाकिस्तान से अलग होना चाहते हैं, जैसे बलूच, पख्तून और सिंधी। पाकिस्तानी पंजाब के सुन्नी मुस्लिम पूरे देश पर अपना शासन परोक्ष रूप से कायम किए हुए हैं, चाहे वह सेना हो, राजनीति हो, ब्यूरोक्रेसी हो या व्यापार और मीडिया, हर क्षेत्र में पंजाब के लोगों का प्रभुत्व है। देश के दूसरे मुस्लिमों को वे दोयम दर्जे का अथवा कमतर पाकिस्तानी समझते हैं। बलूचों की लड़ाई हम सबको पता है। वे भी मुस्लिम हैं, लेकिन वे एक अलग देश की मांग कर रहे हैं। बलूचों का दमन आजादी के बाद से ही पाकिस्तानी सेना करती रही है। 2006 से अभी तक लगभग 15,000 बलूचों की हत्या पाकिस्तान सेना कर चुकी है। किसी भी बलूच युवा को विद्रोही मानकर सेना उसके हाथ–पैर तोड़कर गटर में डाल देती है और बाद में उसे गुमशुदा घोषित कर देती है। मोहम्मद अली जिन्ना पाकिस्तान बनने से पहले बलूचों के वकील थे। वह अलग बलूचिस्तान की वकालत भी करते थे, पर पाकिस्तान बनने के बाद उन्होंने कहा कि अब बलूचिस्तान पाकिस्तान का हिस्सा होगा और उन्होंने सेना भेजकर इस इलाके पर कब्जा कर लिया। बलूचों ने इसे कभी दिल से स्वीकार नहीं किया। वे अलग देश की अपनी मांग पर आज भी अड़े हैं। बलूचिस्तान का भौगोलिक महत्व बहुत ही ज्यादा है। उसकी लगभग 700 किमी सीमा अरब सागर से लगती है। अफगानिस्तान और ईरान से भी उसकी सीमा सटी हुई है। अगर बलूचिस्तान अलग हो जाए तो पाकिस्तान और ईरान की सीमा समाप्त हो जाएगी। बलूचिस्तान पूरे पाकिस्तान के क्षेत्रफल का लगभग 40–42 प्रतिशत है, लेकिन उसकी आबादी पाकिस्तान की महज पांच प्रतिशत है। पूरे पाकिस्तान के 80 प्रतिशत प्राकृतिक संसाधन बलूचिस्तान में है। पेट्रोल, सोना, तांबा आदि इसमें शामिल हैं, लेकिन बलूचिस्तानियों के साथ कितना भेदभाव पाकिस्तानी पंजाबी हुक्मरान करते हैं, इसका प्रमाण यह है कि बलूचिस्तान पूरे पाकिस्तान को गैस सप्लाई करता है, पर वहां आज भी हर घर में रसोई गैस उपलब्ध नहीं है। पश्तून या पख्तून भी मुसलमान हैं, लेकिन वे भी लंबे समय से पाकिस्तान से अलग होकर पश्तूनिस्तान की मांग कर रहे हैं। तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी मूलतः पश्तूनों का संगठन है। तालिबान भी मूलतः पश्तूनों का संगठन है। इसीलिए दोनों एक–दूसरे के प्रति हमदर्दी रखते हैं। शिया समुदाय भी भेदभाव का शिकार है। वे पाकिस्तान में लगभग 20 प्रतिशत हैं। वे पढ़े–लिखे, समृद्ध और राजनीति में भी ठीक–ठाक हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के प्रमुख शिया हैं। इसके बावजूद शिया मुसलमानों का दमन पाकिस्तान में जनरल जिया उल हक के समय से जारी है। आज तक 50,000 से ज्यादा शिया मुसलमानों की हत्या हो चुकी है। पंजाब के सुन्नी मुसलमानों के तमाम संगठन शियाओं को मुस्लिम नहीं मानते। वे उन्हें काफिर कहते हैं और गैर–मुस्लिम घोषित करने की मांग करते रहते हैं। अहमदिया मुसलमानों को 1974 में ही गैर–मुस्लिम घोषित कर दिया गया था। 1947 के पहले वे अलग पाकिस्तान की बढ़–चढ़कर वकालत करते थे। पाकिस्तान में एक और छोटा मुस्लिम समुदाय सरायकी है। यह दक्षिण पंजाब में रहता है। वे सरायकी बोलते हैं। जैसलमेर के सामने जो पाकिस्तान है, वह सरायकी लैंड है। सरायकी अपने लिए सरायकीस्तान की मांग कर रहे हैं। उनका मानना है कि पाकिस्तानी पंजाबियों ने उनका शोषण किया है। पाकिस्तान में हिंदुओं की आबादी करीब 38 लाख ही बची है। 30–40 लाख ईसाई हैं और थोड़े से सिख। इन जैसे अल्पसंख्यकों को तो वहां गुजारा करना कठिन हो रहा है। उन्हें तमाम तरह की प्रताड़ना झेलनी पड़ती हैं। अल्पसंख्यक महिलाओं के खिलाफ प्रताड़ना का स्तर बहुत ही ज्यादा है।

केंद्र सरकार के उपक्रम बन रहे कमाऊ पूत

प्रहलाद सबनानी

पूर्व में इन उपक्रमों में पनप रहे भ्रष्टाचार के चलते इन उपक्रमों की लाभप्रदता पर विपरीत प्रभाव पड़ता था परंतु अब उच्च स्तर पर भ्रष्टाचार पर लगभग पूर्णतरू अंकुश लगाया जा चुका है। साथ ही, केंद्र सरकार के इन उपक्रमों को नेतृत्व प्रदान कर रहे अधिकारियों पर भी बहुत कुछ निर्भर करता रहा है। केंद्र सरकार के इन उपक्रमों में आज का नेतृत्व कुशल, ईमानदार एवं देश प्रथम की नीति पर चलने के साथ ही देश के प्रति सम्मान का भाव रखने वाला है। वित्तीय वर्ष 2024 में केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है। प्रथम स्थान पर भारतीय स्टेट बैंक है, जिसने 67,085 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है।

आज से एक दशक से अधिक समय पूर्व तक केंद्र सरकार के उपक्रमों को चलायमान बनाए रखने के लिए केंद्रीय बजट में भारी भरकम राशि का प्रावधान करना पड़ता था तथा इन उपक्रमों को केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की जाती थी। परंतु, आज स्थिति एकदम बदल गई है एवं अब केंद्र सरकार के उपक्रम केंद्र सरकार को लाभांश के रूप में भारी भरकम राशि प्रदान कर रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2024–25 में केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है। केंद्र सरकार के उपक्रमों में यह आमूलचूल परिवर्तन केंद्र में ईमानदार सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा निगमित अभिशासन से सम्बंधित नियमों का कड़ाई से अनुपालन कराए जाने के चलते ही सम्भव हो सका है। पूर्व में इन उपक्रमों में पनप रहे भ्रष्टाचार के चलते इन उपक्रमों की लाभप्रदता पर विपरीत प्रभाव पड़ता था परंतु अब उच्च स्तर पर भ्रष्टाचार पर लगभग पूर्णतरू अंकुश लगाया जा चुका है। साथ ही, केंद्र सरकार के इन उपक्रमों को नेतृत्व प्रदान कर रहे अधिकारियों पर भी बहुत कुछ निर्भर करता रहा है। केंद्र सरकार के इन उपक्रमों में आज का नेतृत्व कुशल, ईमानदार एवं देश प्रथम की नीति पर चलने के साथ ही देश के प्रति सम्मान का भाव रखने वाला है। वित्तीय वर्ष 2024 में केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है। प्रथम स्थान पर भारतीय स्टेट बैंक है, जिसने 67,085 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है। इसके बाद ओएनजीसी ने 49,221 करोड़ रुपए, आईओसी ने 41,730 करोड़ रुपए, भारतीय जीवन बीमा निगम ने 40,916 करोड़ रुपए, भारतीय कोयला निगम ने 37,402 करोड़ रुपए, बीपीसीएल ने 26,859 करोड़ रुपए, एनटीपीसी ने 20,812 करोड़ रुपए, बैंक आफ बड़ोदा ने 18,767 करोड़ रुपए, हिन्दुस्तान पेट्रोलीयम ने 16,015 करोड़ रुपए एवं पावर फाइनैन्स करपोरेशन ने 15,889 करोड़ रुपए की राशि का लाभ अर्जित किया है। इसके अतिरिक्त, पावर ग्रिड, कनारा बैंक, आरईसी लिमिटेड एवं यूनियन बैंक, ने 10,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है। साथ ही, गैस अथॉरिटी इंडिया लिमिटेड, पंजाब नेशनल बैंक, इंडीयन बैंक, जैसे केंद्र सरकार के 42 अन्य उपक्रमों ने भी भारी भरकम राशि का लाभ अर्जित किया है। केंद्र सरकार के उपक्रमों के साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक, जो भारत में एक स्वायत्त संस्था के रूप में कार्य करता है एवं इस पर केंद्र सरकार का नियंत्रण लगभग नहीं के बराबर रहता है, ने भी पूरे विश्व के कई बड़े केंद्रीय बैंकों के बीच सबसे अधिक राशि का लाभ अर्जित किया है। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व को वर्ष 2024 में 7,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा है, इसी प्रकार ब्रिटेन के केंद्रीय बैंक, बैंक आफ इंग्लैंड को 4,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है तथा यूरोपीयन यूनियन के केंद्रीय बैंक, ईसीबी को 900 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है। वहीं, इन केंद्रीय बैंकों की तुलना में भारतीय रिजर्व बैंक को वित्तीय वर्ष 2024–25 में 3,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर का लाभ हुआ है। जिसके चलते भारतीय रिजर्व बैंक ने केंद्र सरकार को इस वर्ष 2.70 लाख करोड़ रुपए की राशि का लाभांश अदा करने की घोषणा की है। विभिन्न केंद्र सरकार के उपक्रमों ने भी इस वर्ष केंद्र सरकार को भारी भरकम राशि का लाभांश अदा किया है। भारतीय रिजर्व बैंक एवं केंद्र सरकार के उपक्रमों से प्राप्त होने वाली कुल लाभांश की राशि वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए बजट में किए गए प्रावधान की राशि से कहीं अधिक है। इसी प्रकार, केंद्र सरकार को प्रत्येक माह प्राप्त होने वाली वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की राशि भी अब मासिक औसत के रूप से 2 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई है। अप्रेल 2025 माह में तो केंद्र सरकार को रिकार्ड 2.36 लाख करोड़ रुपए की राशि का राजस्व वस्तु एवं सेवा कर की मद से प्राप्त हुआ था। इसी प्रकार, मई 2025 में 2.01 लाख करोड़ रुपए की राशि का राजस्व जीएसटी मद से प्राप्त हुआ है। देश में प्रत्यक्ष कर (आय कर एवं कारपोरेट कर सहित) के रूप में प्राप्त राशि अप्रत्यक्ष कर के रूप में प्राप्त राशि से कहीं अधिक रही है। देश के आम नागरिकों के हित में यह बहुत अच्छा कार्य हुआ है क्योंकि प्रत्यक्ष कर उन नागरिकों से प्राप्त किया जाता है जो इस कर को अदा कर सकने की क्षमता एवं योग्यता रखते हैं अर्थात उनकी आय कर देने योग्य आय के स्तर से ऊपर रहती है जबकि अप्रत्यक्ष कर समाज के प्रत्येक वर्ग पर सामान्य रूप से एक जैसा लगाया जाता है। वित्तीय वर्ष 2024–25 में 22.26 लाख करोड़ रुपए की राशि प्रत्यक्ष कर के रूप में केंद्र सरकार को प्राप्त हुई थी जो वित्तीय वर्ष 2023–24 में प्राप्त 19.60 लाख करोड़ रुपए की राशि से 13.57 प्रतिशत अधिक है। वहीं वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए अप्रत्यक्ष कर (जिसमें वस्तु एवं सेवा कर, केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क शामिल हैं) के रूप में प्राप्त राशि का लक्ष्य 16.33 लाख करोड़ रुपए का निर्धारित किया गया था। अप्रत्यक्ष कर की मद की तुलना में प्रत्यक्ष कर की मद से अधिक कर राशि का संग्रहण होना यह भी दर्शाता है कि भारत में नागरिकों की कर देने योग्य आय में वृद्धि दर अधिक है एवं आय कर अदा करने वाले नागरिकों की संख्या में भी अतुलनीय सुधार हो रहा है। अर्थात, देश में उच्च आय अर्जित करने वाले नागरिकों एवं मध्यमवर्गीय नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है तथा गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिक अब तेज गति से मध्यमवर्गीय नागरिकों की श्रेणी में परिवर्तित हो रहे हैं। यदि भारत के नागरिक लगातार इसी प्रकार की आर्थिक तरक्की करते रहे तो केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों के लिए देश में पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करने एवं समाज के लिए कल्याणकारी योजनाओं को चलाये रखने में किसी भी प्रकार की समस्या खड़ी नहीं होगी। किसी भी देश के लिए कल्याणकारी योजनाओं को चलायमान बनाए रखने के लिए वित्त की अनुपलब्धता ही मुख्य समस्या के रूप में सामने आती है। परंतु, देश के नागरिक जो गरीबी रेखा से ऊपर उठकर मध्यमवर्गीय अथवा उच्चवर्गीय परिवारों की श्रेणी में शामिल हो रहे हैं, वे यदि केंद्र एवं राज्य सरकारों की वित्त व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तो भारत के लिए आर्थिक विकास की दर को दहाई के आंकड़े तक ले जाने में कोई बहुत अधिक समय नहीं लगने वाला है। केंद्र सरकार, विभिन्न राज्य सरकारों एवं निजी क्षेत्र द्वारा देश में गरीब वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाओं को चलाने के साथ ही यदि पूंजीगत खर्चों में भी वृद्धि की जाती है तो देश के नागरिकों के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित होते हैं एवं इससे देश के नागरिक देश की आर्थिक तरक्की में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर पाते हैं। भारत में भी इसी प्रकार की व्यवस्था खड़ी होती हुई दिखाई दे रही है, जिसका डंका पूरे विश्व में बज रहा है। पूर्व में इन उपक्रमों में पनप रहे भ्रष्टाचार के चलते इन उपक्रमों की लाभप्रदता पर विपरीत प्रभाव पड़ता था परंतु अब उच्च स्तर पर भ्रष्टाचार पर लगभग पूर्णतरू अंकुश लगाया जा चुका है। साथ ही, केंद्र सरकार के इन उपक्रमों को नेतृत्व प्रदान कर रहे अधिकारियों पर भी बहुत कुछ निर्भर करता रहा है।

हमें अपने राष्ट्रीय आदर्शों का विवेकसम्मत चयन करना होगा

हम सभी इस पर सहमत होंगे कि भीड़ प्रबंधन का हमारा रिकार्ड बेहद भयावह है। चाहे वह धार्मिक समागम हों या राजनीतिक रैलियां, फिल्म प्रीमियर या खेलों से जुड़े आयोजन, प्रतीत होता है कि विभिन्न स्थलों पर भगदड़ों का एक अंतहीन सिलसिला कायम है। यहां कुछ प्रश्न उठने प्रासंगिक हैं कि क्या हमने पिछले हादसे से कोई सबक सीखा? क्या इसे लेकर कोई जवाबदेही होनी चाहिए? क्या आयोजक और अनुमति देने वाली प्राधिकारी संस्था एवं कानून प्रवर्तन एजेंसियों–राजनीतिक आका इसके उत्तरदायी हैं? इन प्रश्नों के उत्तर स्वाभाविक ही नजर आते हैं। अक्सर सवाल उठता है कि आमजन इसमें क्या कर सकते हैं? सही मुद्दों पर अपेक्षित रूप से आवाज उठाने के अलावा यह भी विस्मृत न किया जाए कि किसी भी तंत्र में हम ही सबसे बड़े अंशभागी हैं,

तरुण गुप्त

त्रासदियां सदैव हृदयविदारक एवं मन को व्यथित करने वाली होती हैं। कुछ ऐसी होती हैं, जो आक्रोशित भी करती हैं। सबसे बदतर वे त्रासदियां होती हैं, जो इन सबके साथ निराश और कुंठित करती हैं। बेंगलुरु में हुई भगदड़ में इन सभी पहलुओं का समावेश था। हम सभी इस पर सहमत होंगे कि भीड़ प्रबंधन का हमारा रिकार्ड बेहद भयावह है। चाहे वह धार्मिक समागम हों या राजनीतिक रैलियां, फिल्म प्रीमियर या खेलों से जुड़े आयोजन, प्रतीत होता है कि विभिन्न स्थलों पर भगदड़ों का एक अंतहीन सिलसिला कायम है। यहां कुछ प्रश्न उठने प्रासंगिक हैं कि क्या हमने पिछले हादसे से कोई सबक सीखा? क्या इसे लेकर कोई जवाबदेही होनी चाहिए? क्या आयोजक और अनुमति देने वाली प्राधिकारी संस्था एवं कानून प्रवर्तन एजेंसियों–राजनीतिक आका इसके उत्तरदायी हैं? इन प्रश्नों के उत्तर स्वाभाविक ही नजर आते हैं। अक्सर सवाल उठता है कि आमजन इसमें क्या कर सकते हैं? सही मुद्दों पर अपेक्षित रूप से आवाज उठाने के अलावा यह भी विस्मृत न किया जाए कि किसी भी तंत्र में हम ही सबसे बड़े अंशभागी हैं, जिनके बिना कोई भी ठोस सुधार संभव नहीं। जहां तक बेंगलुरु जैसी भयावह भगदड़ की बात है तो उसमें भी आम जनमानस के लिए कुछ सबक निहित हैं। यह सर्वविदित है कि हमारा समाज सेलेब्रिटी सितारों की चमक से अत्यधिक प्रभावित रहता है। वैसे तो नामचीन हस्तियों के प्रति दीवानगी पूरी दुनिया में देखी जाती है, लेकिन भारत में यह कभी–कभी उन्माद की सीमा को पार कर जाती है। हम प्रायः सराहना और जुनून के बीच की रेखा को धुंधला कर देते हैं। ऐसी ही परिस्थितियों में एक स्वीडिश संकल्पना 'लागोम' उपयुक्त होगी। यह प्रत्येक स्तर पर संतुलन की बात करती है। न कहीं कम, न कहीं अधिक, अपितु एकदम सटीक। देखा जाए तो चाहे कामकाजी–निजी जीवन हो, मनोरंजन या फिर कोई अन्य पहलू, उसमें मध्यमार्ग ही सर्वोत्तम होता है। इसी संदर्भ में प्राचीन भारतीय आख्यानों में महाभारत से जुड़ा एक प्रसंग भी अत्यंत अर्थपूर्ण है। इसमें यक्ष के रूप में यमराज द्वारा पूछे गए प्रश्न के जवाब में युधिष्ठिर ने कहा कि तृष्णा ही सभी दुखों का मूल है और आवश्यकता से अधिक कोई भी वस्तु वास्तव में अहितकारी हो जाती है। आधुनिक समाज के लिए भी इस प्रेरक दर्शन को आत्मसात करना श्रेयस्कर होगा। आखिर संयमित जीवनशैली वाली वह समझदारी कहां गायब हो गई? समाज में विवेकशील व्यवस्था और आत्मसंयम का भाव अतिवाद की ओर उन्मुख होने से रोकता है। इससे व्यक्ति न तो तत्काल सुख–संतुष्टि खोजता है और न ही समकालीन प्रलोभनों के फेर में फंसता है। यह सही है कि फिल्मी सितारों और क्रिकेटरों की उपलब्धियां उल्लेखनीय हैं, लेकिन यह भी न भूला जाए कि मूल रूप से वे मनोरंजन से ही जुड़े हैं। अपने चयनित क्षेत्र में उत्कृष्टता के प्रतीक और समाज के मनोरंजन जैसी महत्वपूर्ण भूमिका के चलते वे सम्मान एवं सराहना के पात्र अवश्य हैं, किंतु जनता को उनके प्रति उन्मादी जुनून से परहेज करना चाहिए। हमारे दिलों में उनके लिए जगह होनी चाहिए, लेकिन वे हमारे दिमाग पर हावी न होने पाएं। सिनेमा और क्रिकेट के सितारों की एक झलक पाने के लिए हमारे लोग जिस तरह किसी भी कठिनाई का सामना करने से लेकर अपनी जान जोखिम में डालने से भी गुरेज नहीं करते, वह रवैया न केवल अतार्किक, बल्कि किसी सनक या पागलपन से कम नहीं। समय की मांग है कि संयम की संस्कृति विकसित की जाए। साथ ही राष्ट्रीय आदर्शों का विवेकसम्मत चयन भी महत्वपूर्ण है। मानसिकता में बदलाव ही इसमें मददगार होगा। आखिर हममें से कितने लोग डा. माधवी लता को अपना आदर्श मानेंगे, जिनकी बहुचर्चित चिनाब ब्रिज के निर्माण में महती भूमिका रही। नागरिक समाज को मनोरंजन जगत की नामचीन हस्तियों से परे देखना होगा। मनोरंजन जगत के सितारों की आभा ईर्ष्या का विषय कतई नहीं होनी चाहिए, फिर भी यह आवश्यक है कि राष्ट्र जीवन के अन्य क्षेत्रों से भी आदर्श उभरें। ये डाक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर, शोधार्थी, उद्यमी, लेखक–विचारक और रक्षा–सुरक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्रों से भी हो सकते हैं। रोल माडल की दृष्टि से किसी एक धारा के लोगों का अतिशय महिमामंडन करने के बजाय व्यापकता पर जोर देने वाला बहुरंगी तंत्र कहीं बेहतर होगा। समग्रता से परिपूर्ण दृष्टिकोण समाज में संतुलन सुनिश्चित करेगा। इसके अतिरिक्त, हमें शिक्षा के अपने ढांचे को इस प्रकार समृद्ध करना होगा, जो व्यवस्थित आचरण को प्रोत्साहित करे और नियम–कानूनों के अनुपालन को लेकर प्रतिबद्ध बनाए। लोगों के निजी जीवन की गरिमा का सम्मान करने, सामान्य सार्वजनिक शिष्टाचार प्रदर्शित करने और स्थिति के अनुरूप डाटा केंद्रित या तंत्रीय प्रणाली वाला दृष्टिकोण ही सभ्यतागत विकास का हिस्सा है। यह एक समझदार एवं संवेदनशील समाज का संकेतक है। आर्थिक महाशक्ति बने बिना भी सामान्य शिष्टाचार का परिचय तो दिया ही जा सकता है। समृद्धि एवं संपन्नता विकसित समाज की अनिवार्य शर्तें अवश्य हैं, लेकिन अपने आप में पर्याप्त नहीं। ये भले ही मूलभूत आवश्यक बिंदु हों, किंतु हमें इनसे परे भी देखना होगा। अस्वाभाविक मौतें और टाली जा सकने वाली जनहानि हमारे गले की फांस सी बन गई है। एक ओर हम राज्य की निरंतर उपेक्षा से ग्रस्त हैं, वहीं अक्सर स्वयं भी समस्याओं को बढ़ावा देने या आसानी से टाली जा सकने वाली त्रासदियों को आमंत्रण देते रहते हैं। राज्य की लापरवाही हमें कुपित करती है तो खुद अपनी उदासीनता का भाव हमें कुंठा से भर देता है। राज्य जो करेगा, जब करेगा, लेकिन क्या हम अपने ही रवैये के भुक्तभोगी बने रहें? कहते हैं कि समय हर घाव को भर देता है। यह बात अगर उन अभिभावकों से कही जाए, जिन्होंने बेंगलुरु की भगदड़ में अपने बच्चों को खो दिया तो क्या वे शोकाकुल परिवार ऐसी सांत्वना भर से संतुष्ट हो जाएंगे? क्या ऐसी भयानक त्रासदियों का कोई अंत दिखता है? हम अवश्य ही यह उम्मीद और प्रार्थना करें, परंतु यह संकल्प भी लें कि टाली जा सकने वाली जनहानि को अगर पूरी तरह रोक भी न पाएं तो उनका दायरा घटाने में अपना अपेक्षित योगदान दें। मानव जीवन के लिए इससे अधिक गरिमामय कुछ और नहीं होगा। हम सभी इस पर सहमत होंगे कि भीड़ प्रबंधन का हमारा रिकार्ड बेहद भयावह है। चाहे वह धार्मिक समागम हों या राजनीतिक रैलियां, फिल्म प्रीमियर या खेलों से जुड़े आयोजन, प्रतीत होता है कि विभिन्न स्थलों पर भगदड़ों का एक अंतहीन सिलसिला कायम है। यहां कुछ प्रश्न उठने प्रासंगिक हैं कि क्या हमने पिछले हादसे से कोई सबक सीखा? क्या इसे लेकर कोई जवाबदेही होनी चाहिए? क्या आयोजक और अनुमति देने वाली प्राधिकारी संस्था एवं कानून प्रवर्तन एजेंसियों–राजनीतिक आका इसके उत्तरदायी हैं? इन प्रश्नों के उत्तर स्वाभाविक ही नजर आते हैं। अक्सर सवाल उठता है कि आमजन इसमें क्या कर सकते हैं? सही मुद्दों पर अपेक्षित रूप से आवाज उठाने के अलावा यह भी विस्मृत न किया जाए कि किसी भी तंत्र में हम ही सबसे बड़े अंशभागी हैं, जिनके बिना कोई भी ठोस सुधार संभव नहीं। जहां तक बेंगलुरु जैसी भयावह भगदड़ की बात है तो उसमें भी आम जनमानस के लिए कुछ सबक निहित हैं। यह सर्वविदित है कि हमारा समाज सेलेब्रिटी सितारों की चमक से अत्यधिक प्रभावित रहता है। वैसे तो नामचीन हस्तियों के प्रति दीवानगी पूरी दुनिया में देखी जाती है, लेकिन भारत में यह कभी–कभी उन्माद की सीमा को पार कर जाती है। हम प्रायः सराहना और जुनून के बीच की रेखा को धुंधला कर देते हैं। ऐसी ही परिस्थितियों में एक स्वीडिश संकल्पना 'लागोम' उपयुक्त होगी। यह प्रत्येक स्तर पर संतुलन की बात करती है। न कहीं कम, न कहीं अधिक, अपितु एकदम सटीक। देखा जाए तो चाहे कामकाजी–निजी जीवन हो, मनोरंजन या फिर कोई अन्य पहलू, उसमें मध्यमार्ग ही सर्वोत्तम होता है। इसी संदर्भ में प्राचीन भारतीय आख्यानों में महाभारत से जुड़ा एक प्रसंग भी अत्यंत अर्थपूर्ण है। इसमें यक्ष के रूप में यमराज द्वारा पूछे गए प्रश्न के जवाब में युधिष्ठिर ने कहा कि तृष्णा ही सभी दुखों का मूल है और आवश्यकता से अधिक कोई भी वस्तु वास्तव में अहितकारी हो जाती है। आधुनिक समाज के लिए भी इस प्रेरक दर्शन को आत्मसात करना श्रेयस्कर होगा। आखिर संयमित जीवनशैली वाली वह समझदारी कहां गायब हो गई? समाज में विवेकशील व्यवस्था और आत्मसंयम का भाव अतिवाद की ओर उन्मुख होने से रोकता है। इससे व्यक्ति न तो तत्काल सुख–संतुष्टि खोजता है और न ही समकालीन प्रलोभनों के फेर में फंसता है। यह सही है कि फिल्मी सितारों और क्रिकेटरों की उपलब्धियां उल्लेखनीय हैं, लेकिन यह भी न भूला जाए कि मूल रूप से वे मनोरंजन से ही जुड़े हैं। अपने चयनित क्षेत्र में उत्कृष्टता के प्रतीक और समाज के मनोरंजन जैसी महत्वपूर्ण भूमिका के चलते वे सम्मान एवं सराहना के पात्र अवश्य है।

नहीं रही जुबान की कोई कीमत, झूठ बोलना क्यों हो गया है आम?

महेश कुमार केशरी

पहले के जमाने में लोगों की जुबान की बहुत कीमत होती थी। तब अकेले में कही गई बात का भी वजन होता था। उन दिनों लोग कागज पर अपनी बात लिखकर नहीं देते थे। जो कह देते थे, वही पक्का वादा और वचन बन जाता था। शायद इसीलिए कहते थे कि प्राण जाए, पर वचन न जाए। तब सब कुछ जुबानी याद करने के दिन थे। वेद, उपनिषद, लोकोक्ति, मुहावरे और पहाड़े भी लोग मुंहजुबानी याद करते थे। एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक इनका ऐसे ही हस्तांतरण होता रहता था। वैसे उस समय कागज का आविष्कार भी नहीं हुआ था, इसलिए भी लोगों को सब कुछ याद करके संजोना पड़ता था। बोलना या दोहराना जुबान से किया जाता था, लिहाजा चीजें लंबे समय तक याद रहती थीं। वह जुबान का समय था। उस समय ताले भी नहीं होते थे और लोग जुबानफरोश भी नहीं हुआ करते थे। जरूरत ही नहीं पड़ती थी। लोग वचन के पक्के जो थे। जो कह दिया, सो कह दिया। जो बोल दिया, वह पत्थर की लकीर हो जाती थी। जुबान से फिरा हुआ आदमी नीची निगाह से देखा जाता था। लोग उस पर भरोसा नहीं करते थे। बेईमान और दगाबाज मानते थे। अब तो कोई बात याद रखना गुजरे जमाने की बात हो गई है। आज स्थिति यह है कि सुबह कुछ कहा और शाम को पूछो तो जवाब मिलता है– भला, मैंने ऐसा कब कहा था। यानी अब लोग एक दिन में ही मुकरने लगे हैं। कुछ तो ऐसे होते हैं, जो अगर आप से हजार–दो हजार रुपये मांग कर ले जाते हैं और एक हफ्ते में लौटाने का वादा करते हैं तो दो–चार माह तक यह भी नहीं कहते कि आपके पैसे लौटाने हैं। फिर आप जब संकोच से अपना पैसा मांगते हैं तो कहते हैं– कहीं भागा थोड़े जा रहा हूं। यदि किसी ने दस–बीस हजार रुपये यह वादा करके ले रखे हैं कि अगले महीने की फलां तारीख को दे देंगे तो कई महीने गुजर जाने पर जब आप वह तारीख दिलाने की कोशिश करते हैं तो वह आपका फोन उठाना बंद कर देता है। कुछ तो ब्लाक ही कर देते हैं। पहले लोग दूसरों से पैसा या और कुछ चीज लेते थे तो याद रखते थे कि अमुक आदमी से अमुक चीज ली है और उसे अमुक दिन लौटाना है। जिस दिन लिया, उस दिन से लौटाने के दिन गिनने लगते थे और अगर समय पर नहीं लौटा पाते थे तो माफी मांगते थे। आज तो जुबान की कोई कीमत ही नहीं रही। अब पैसे उधार देने वाले को संकोच होता है कि अपना पैसा वापस कब और कैसे मांगे और लौटाने वाला ऐसे बर्ताव करता है, जैसे उसे कुछ याद ही न हो। यदि कभी कोई याद दिलाता है तो यह नसीहत सुनने को मिलती है कि पैसा तो हाथ का मैल है या फिर दोस्ती के बीच पैसे को कभी मत लाओ। नतीजा न दोस्ती बचती है और न पैसे। मुझे लगता है कि जैसे–जैसे आदमी पढ़ता–लिखता गया, वैसे–वैसे दगाबाज होता गया! क्या फायदा लोगों के इतना पढ़ा–लिखा होने का, जब उनकी जुबान की कोई कीमत ही न रह गई। जो पढ़–लिखकर छल–प्रपंच करना सीख जाए, वह भला समाज की क्या भलाई करेगा। नेता वोट लेते हैं और फिर जनता से किए वादे भूल जाते हैं। आज जुबान की कीमत इस कदर खत्म है कि लोग लेन–देन को लिखकर रखने लगे हैं। लेनदार का अंगूठा लगाया जाता है या हस्ताक्षर लिया जाता है, ताकि वह जुबान से फिर न जाए। जब ऐसा कोई लेनदार मुकर जाता है तो उसे याद दिलाने के लिए वह कागज दिखाया जाता है। कई ऐसे निकलते हैं कि अपने हस्ताक्षर से ही मुकर जाते हैं। लगता है इसी आदत से लोग झूठ बोलने लगे और जब इससे भी काम नहीं चला तो चोरी करने लगे। कुछ लोग इसे स्कैम करना या डिफाल्टर हो जाना भी कहते हैं। जो बोल दिया, वह पत्थर की लकीर हो जाती थी। जुबान से फिरा हुआ आदमी नीची निगाह से देखा जाता था। लोग उस पर भरोसा नहीं करते थे। बेईमान और दगाबाज मानते थे। अब तो कोई बात याद रखना गुजरे जमाने की बात हो गई है। आज स्थिति यह है कि सुबह कुछ कहा और शाम को पूछो तो जवाब मिलता है– भला, मैंने ऐसा कब कहा था। यानी अब लोग एक दिन में ही मुकरने लगे हैं। कुछ तो ऐसे होते हैं, जो अगर आप से हजार–दो हजार रुपये मांग कर ले जाते हैं और एक हफ्ते में लौटाने का वादा करते हैं तो दो–चार माह तक यह भी नहीं कहते कि आपके पैसे लौटाने हैं। फिर आप जब संकोच से अपना पैसा मांगते हैं तो कहते हैं– कहीं भागा थोड़े जा रहा हूं।

इमरजेंसी रोस्टिंग से बिजली आपूर्ति धड़ाम

सप्लाई लाइन में आ रही फाल्ट शिकायत के बाद भी दुरुस्त होने में घंटों लग रहे हैं

बाराबंकी (संवाददाता)। भीषण गर्मी में इमरजेंसी रोस्टिंग के कारण जिले के शहरी व ग्रामीण इलाकों में बिजली आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह बेपटरी हो गई है। इसके चलते शहर में 24 और गांवों में 18 घंटे बिजली आपूर्ति का दावा बेमानी साबित हो रहा है। गर्मी में बिजली की बढ़ती मांग के कारण ट्रांसफार्मरों के साथ ही सप्लाई लाइन में आ रही फाल्ट शिकायत के बाद भी दुरुस्त होने में घंटों लग रहे हैं। इसके चलते घंटों बिजली गुल रहने से पेयजल के संकट की दिक्कत से भी लोगों को जूझना पड़ रहा है। शहर के मोहल्ला घोसियाना, नेहरू नगर व कंपनी बाग इलाके में बीती रात 12 बजे से सुबह साढ़े चार बजे तक बिजली गुल रही थी। नेहरू नगर के प्रियांशु अवस्थी ने बताया कि हेल्प लाइन नंबर 1912 पर कॉल करने पर कोई सुनवाई नहीं हुई। लखपेड़ाबाग के निवासी अखिलेश कुमार ने बताया कि शुक्रवार की रात तीन बार में करीब डेढ़ घंटा बिजली कटी। बड़ेल शुभम ने बताया कि प्राथमिक विद्यालय के गांव के आसपास इलाके में लो–वोल्टेज से उपभोक्ता परेशान हैं। शहर के मोहल्ला पीरबटान, गुलरियागार्दा, आजाद नगर, विजय नगर व दशहराबाग, महुआरी पुरवा में भी लोग लो–वोल्टेज से परेशान रहे। सिरौली गौसपुर क्षेत्र में मरकामऊ व पुरनिया गांव में 132 केवीए के सब स्टेशन से 18 घंटे की जगह सिर्फ 12 से 13 घंटे ही बिजली मिल पा रही है। इस दौरान भी लो–वोल्टेज की समस्या बनी रहती है। उपकेंद्र मसौली में भी भीषण गर्मी में इमजरेंसी रोस्टिंग के नाम पर शाम को घंटों कटौती हो रही है। एसडीओ मसौली अभिषेक मल्ल ने बताया कि इस समय अनुरक्षण कार्य और लोकल फाल्ट से कटौती की जाती है। पॉवर कार्पोरेशन की अधीक्षण अभियंता राजबाला का कहना है कि पिछले साल के मुकाबले इस बार बिजली की मांग व लोड करीब डेढ़ गुना बढ़ा है। इस कारण शाम को कुछ क्षेत्र में इमरजेंसी रोस्टिंग करनी पड़ रही है। इसकी जानकारी उपभोक्ताओं को भी दे दी जाती है। इसके चलते शहर में 24 और गांवों में 18 घंटे बिजली आपूर्ति का दावा बेमानी साबित हो रहा है। गर्मी में बिजली की बढ़ती मांग के कारण ट्रांसफार्मरों के साथ ही सप्लाई लाइन में आ रही फाल्ट शिकायत के बाद भी

गोल्ड लोन में धोखाधड़ी, बैंक मैनेजर व दलाल पर मुकदमा

बाराबंकी (संवाददाता)। बदोसराय थाना क्षेत्र में बैंक में गोल्ड लोन के नाम पर फर्जीवाड़ा करने का मामला सामने आया है। युवक से न केवल जरूरत से ज्यादा पैसा वसूला गया बल्कि उसका सोना भी वापस नहीं किया गया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस बैंक मैनेजर समेत तीन लोगों पर केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। बदोसराय के मरकामऊ गांव में बैंक आफ इंडिया की एक शाखा स्थित है। गांव के नसरुद्दीन ने बताया कि दो वर्ष पहले गांव के बृजेश कुमार व गोविंद बैंक के बाहर मिले थे। उन्होंने स्वयं को बैंक कर्मचारी बताते हुए गोल्ड लोन दिलवाने की बात कही। इसके बाद एक फॉर्म पर हस्ताक्षर कराने के बाद एक हार व चार सोने के कंगन लेकर एक लाख रुपये का ऋण दिया गया। 11 माह बाद लोन चुकाने के लिए जब बैंक पहुंचा तो मैनेजर वैभव यादव ने बताया कि आपका लोन 1.45 लाख रुपये का है।

पुलिस कर्मी ने मारी टक्कर, मुकदमा घायल पर

बाराबंकी (संवाददाता)। पुलिसकर्मी की लापरवाही से हुए हादसे में घायल युवक पर ही पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पीड़ित के परिजनों ने दौड़ भाग कर आरोपी सिपाही के खिलाफ मामला दर्ज करवाया तो पुलिस ने अगले ही दिन फाइनल रिपोर्ट लगाकर इसे रफा–दफा कर दिया। अब पीड़ित परिवार न्याय पाने के लिए मुख्यमंत्री से गुहार लगाने की तैयारी में जुटा है। शहर के सत्यप्रेमी नगर मोहल्ले के युवक रोहित तिवारी 10 अप्रैल को अपने गांव लालपुर से बाराबंकी लौट रहे थे। लखनऊ–अयोध्या हाईवे पर सफदरगंज चौराहे से करीब 300 मीटर दूर वह सड़क किनारे खड़े थे। तभी बदोसराय थाने में तैनात सिपाही अजय कुमार ने तेज रफ्तार बाइक से आकर उन्हें टक्कर मार दी। घायल रोहित को पहले सीएचसी जैदपुर ले जाया गया, जहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। परिजनों ने हादसे की सूचना सफदरगंज पुलिस को दी थी। इलाज में जुटे परिवार ने 16 अप्रैल को आईजीआरएस के जरिए शिकायती प्रार्थनापत्र दिया और 17 अप्रैल को घायल के भाई ने एसपी से मिलकर एक प्रार्थना पत्र भी दिया। मगर पुलिस ने पूरा मामला ही पलट दिया। 17 अप्रैल को पुलिस ने उल्टे घायल रोहित पर ही अज्ञात में मुकदमा दर्ज कर दिया। इससे पीड़ित का परिवार सकते में आ गया।

एनटीपीसी ऊंचाहार में रक्तदान शिविर

रायबरेली,,(संवाददाता)। एनटीपीसी ऊंचाहार में जीवन ज्योति चिकित्सालय और एम्स रायबरेली के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन कार्यकारी निदेशक अभय कुमार श्रीवास्तव और प्रियदर्शिनी लेडीज क्लब की अध्यक्षा अनुपमा श्रीवास्तव ने किया। शिविर में एनटीपीसी और सीआईएसएफ के अधिकारियों व कर्मचारियों ने रक्तदान किया। प्रियदर्शिनी लेडीज क्लब की अध्यक्षा अनुपमा श्रीवास्तव और मानव संसाधन प्रमुख रूमा दे शर्मा ने भी रक्तदान में भाग लिया। परियोजना प्रमुख ने सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मधु सिंह ने सभी का स्वागत किया। महाप्रबंधक अनुरक्षण एवं प्रचालन आशुतोष विश्वास, प्रियदर्शिनी लेडीज क्लब की उपाध्यक्ष झुमिता विश्वास भी मौजूद रहीं।

बाढ़ग्रस्त इलाकों में तैनात होंगी दो-दो एंबुलेंस

सीतापुर (संवाददाता)। जिले के तराई इलाके में हर साल आने वाली बाढ़ से बचाव को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। तीन तहसीलों में अतिरिक्त रूप से दो–दो एंबुलेंस तैनात की जाएंगी, जिससे आपदा के समय मरीजों को आसानी से अस्पताल तक पहुंचाया जा सकें। जिले के महमूदाबाद, बिसवां व लहरपुर तहसील में प्रतिवर्ष बाढ़ तबाही मचाती है। 100 से अधिक गांव चपेट में आ जाते हैं। इस बार स्वास्थ्य विभाग ने काफी पहले से ही तैयारी शुरू कर दी है। सीनियर सिटीजन व गर्भवती महिलाओं का चिह्नींकरण अभियान चल रहा है। अब इन मरीजों को तत्काल राहत दिलाने के लिए एंबुलेंस की तैनाती की भी प्लानिंग शुरू कर दी गई है। 102 व 108 एंबुलेंस तो हर समय मौजूद रहेंगी। इसके अलावा प्रत्येक तहसील पर दो–दो एंबुलेंस रिजर्व की जाएंगी, जिससे आपदा के समय इनका उपयोग करके मरीजों को समय से अस्पताल पहुंचाया जा सकें। बाढ़ग्रस्त इलाके में आने वाली सीएचसी बाढ़ के समय अलर्ट पर रहेंगी। इनमें सीएचसी लहरपुर, महमूदाबाद, बिसवां, रामपुर मथुरा, तंबौर, रेउसा व पहला शामिल हैं। इन सभी के अधीक्षकों को समय से तैयारियां करने की हिदायत दी गई है। बाढ़ राहत क्षेत्रों में एंबुलेंस की 24 घंटे तैनाती रहेगी। इससे मरीजों को समय से अस्पताल पहुंचाने में मदद मिलेगी। तीन तहसीलों में अतिरिक्त रूप से दो–दो एंबुलेंस तैनात की जाएंगी।

बीमारी से परेशान वृद्ध का फंदे से लटका मिला शव

सीतापुर (संवाददाता)। बसंतीपुर गांव निवासी बुजुर्ग का शव शनिवार सुबह महमूदपुर गांव में पेड़ पर रस्सी से बने फंदे से लटका मिला। परिजनों के अनुसार बुजुर्ग ने बीमारी से परेशान होकर खुदकुशी की है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बसंतीपुर निवासी राम प्रसाद (65) का शव सुबह महमूदपुर गांव के उत्तर में लगे पेड़ पर फंदे से लटका मिला। पुत्र रमाशंकर ने बताया कि उनके पिता लंबे समय से बीमार थे। करीब 6 माह पूर्व पेट का ऑपरेशन भी हुआ था। इसके बावजूद पेट में काफी दर्द होता रहता था। शनिवार सुबह भी उनके पेट में अचानक दर्द उठा। दर्द से काफी परेशान होकर पिता रामप्रसाद ने खुदकुशी कर ली। कोतवाली प्रभारी विजयेंद्र सिंह ने बताया कि कोई भी आरोप नहीं लगाया गया है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सुबह महमूदपुर गांव के उत्तर में लगे पेड़ पर फंदे से लटका मिला।

जमीन के विवाद में भतीजे ने चाचा को मार डाला

राम सिंह व नीलकंठ में रंजिश चल रही थी, हाल ही में नीलकंठ २० वर्ष की सजा काटकर जेल से आया था

सीतापुर (संवाददाता)। पसुरा बेलवा गांव निवासी एक बुजुर्ग पर बीती देर शाम उनके भतीजे ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग को सीएचसी में भर्ती कराया गया। वहां से चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान बुजुर्ग ने दम तोड़ दिया। इस झगड़े में एक युवक भी घायल हुआ। चिकित्सकों ने उसे लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया है। पसुरा बेलवा निवासी नीलकंठ (75) ने देर शाम अपने भतीजे रामसिंह से रहने के लिए जमीन मांगी। रामसिंह के पुत्र मुकेश (18) ने इसका विरोध कर दिया। इससे नाराज होकर नीलकंठ ने मुकेश पर धारदार हथियार से वार किया। नीलकंठ के वार से मुकेश गंभीर रूप से चोटिल हो गए। इस पर रामसिंह ने नीलकंठ पर धारदार हथियार से वार कर दिया। साथ ही नीलकंठ के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने नीलकंठ के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया। गंभीर रूप से घायल नीलकंठ व मुकेश को पुलिस ने सीएचसी में भर्ती कराया। यहां से दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में नीलकंठ ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मुकेश को लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। कोतवाली प्रभारी विजयेंद्र सिंह ने बताया कि नीलकंठ की पुत्री सावित्री ने रामसिंह संग चार पर केस दर्ज करवाया है। नीलकंठ के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। नीलकंठ ने 20 साल पहले अपनी भाभी व रामसिंह की मां की हत्या कर दी थी। इसी वजह से राम सिंह व नीलकंठ में रंजिश चल रही थी। हाल ही में नीलकंठ 20 वर्ष की सजा काटकर जेल से छूटकर वापस आया था। वह खीरी के खमरिया थाना क्षेत्र के रेहरिया कलां गांव में अपनी पुत्री सावित्री के पास रह रहा था। वह पसुरा बेलवा में अपने भतीजे राम सिंह की जमीन पर रहने के लिए जमीन मांग रहा था। राम सिंह व मुकेश ने जमीन देने से मना कर दिया था। यही विवाद का कारण बना। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान बुजुर्ग ने दम तोड़ दिया। इस झगड़े में एक युवक भी घायल हुआ। चिकित्सकों ने उसे लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया है। पसुरा बेलवा निवासी नीलकंठ (75) ने देर शाम अपने भतीजे रामसिंह से रहने के लिए जमीन मांगी। रामसिंह के पुत्र मुकेश (18) ने इसका विरोध कर दिया। इससे नाराज होकर नीलकंठ ने मुकेश पर धारदार हथियार से वार किया। नीलकंठ के वार से मुकेश गंभीर रूप से चोटिल हो गए। इस पर रामसिंह ने नीलकंठ पर धारदार हथियार से वार कर दिया। साथ ही नीलकंठ के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने नीलकंठ के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया।

14 में मौके पर 6 का निस्तारण

रायबरेली,,(संवाददाता)। लालगंज थाना दिवस में शनिवार को कुल 14 शिकायतें दर्ज की गईं। नायाब तहसीलदार शंभू शरण पांडेय और अतिरिक्त प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में 6 शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। शेष 8 शिकायतों के निस्तारण के लिए पुलिस और राजस्व विभाग की टीम को भेजा गया है। अतिरिक्त इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह ने सभी शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण का आश्वासन दिया। इस दौरान अधिकतर शिकायतें राजस्व विभाग से संबंधित पाई गईं। कार्यक्रम में कानूनगो हनुमान प्रसाद, लेखपाल आशीष सैनी, प्रियम पांडेय, उमाकांत तिवारी, वीरेंद्र सिंह और नम्रता सिंह उपस्थित थे।

एआई-सपोर्टेड शिक्षा से यूपी के युवाओं को मिलेगा ग्लोबल एक्सपोजर

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी यूपी ने हरदोई में लॉन्च किए 50 इंडस्ट्री कोलौबोरेटेड एजुकेशन प्रोग्राम

हरदोई, (संवाददाता)। अब यूपी के छात्र–छात्राओं को सिर्फ डिग्री ही नहीं, बल्कि एआई आधारित शिक्षा, इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स की गाइडेंस और ग्लोबल लेवल इंडस्ट्री ओरिएंटेड स्किल्स भी मिलेंगी। यह बात चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश के प्रो–वाइस चांसलर प्रो. डॉ. थिपेंद्र पी. सिंह ने हरदोई में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कही। इस अवसर पर प्रो. डॉ. थिपेंद्र पी. सिंह, प्रो–वाइस चांसलर, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, यूपी ने बताया कि यूनिवर्सिटी ने 50 इंडस्ट्री–कोलैबोरेटेड ग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट कोर्स लॉन्च किए हैं। ये कोर्स इंजीनियरिंग, बिजनेस, हेल्थ, ह्यूमैनिटीज, लीगल स्टडीज जैसे विषयों में उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा, ष्हमारा मकसद केवल डिग्री देना नहीं है, बल्कि छात्रों को शुरू से ही ऐसी शिक्षा देना है जिससे वे नौकरी के लिए तैयार हो सकें। यूनिवर्सिटी ने गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम, क्विक हील, एनएसई, पीडब्ल्यूसी, केपीएमजी जैसी 23 ग्लोबल कंपनियों के साथ एमओयू किए हैं। इन कंपनियों के सहयोग से छात्रों को लाइव प्रोजेक्ट, रिसर्च लैब्स और गारंटीड प्लेसमेंट का मौका मिलेगा। यूनिवर्सिटी का कैंपस उन्नाव के एससीआर क्षेत्र में स्थित है, जो 2500 करोड़ की लागत से तैयार किया गया भारत का पहला एआई–सपोर्टेड कैंपस है। यहाँ हर कोर्स में एआई तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे छात्र शुरुआत से ही इंडस्ट्री रेडी बन सकें। इस मौके पर प्रो. डॉ थिपेंद्र पी सिंह ने सीयूसीईटी 2025 पोर्टल ीजजचेरूध्बनबमज.बनबीक. पद लॉन्च करते हुए कहा की इस पोर्टल के जरिए छात्र सीयू यूपी में एडमिशन व 40 करोड़ रुपये तक की स्कॉलरशिप का लाभ ले सकते हैं। इसके अलावा, रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए 'सी.वी. रमन स्कॉलरशिप' के तहत 3 करोड़ रुपये की राशि भी दी जाएगी। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ. अजय यादव ने बताया कि यूनिवर्सिटी ने रैबिट एआई के साथ मिलकर 5 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस शुरू करने की योजना बनाई है। यह पहली बार है जब किसी प्राइवेट यूनिवर्सिटी में एआई के इतने केंद्र बनाए जाएंगे। उन्होंने आगे बताया कि यूनिवर्सिटी ने बी. टेक, एमबीए, एमसीए, बीसीए जैसे कोर्सेज को इंडस्ट्री के साथ मिलकर डिजाइन किया है। छात्र इन कोर्सेज में क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी, फिनटेक और मशीन लर्निंग जैसे नए विषय पढ़ेंगे। हाल ही में, यूनिवर्सिटी में माइक्रोसॉफ्ट द्वारा एक एआई बूटकैम्प भी आयोजित किया गया था, जिसमें 300 से अधिक छात्रों ने भाग लिया और उन्हें रियल टाइम तकनीकों पर काम करने का अनुभव मिला। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश को यूजीसी से मान्यता प्राप्त है, और यह राज्य की पब्लिक यूनिवर्सिटी की सूची में भी शामिल है।

बुजुर्ग महिला की हत्या मामले में कांग्रेस सांसद का दौरा, पीड़ित परिवार से मिले

हरदोई, (संवाददाता)। बिलग्राम थाना क्षेत्र के ग्राम मक्कूपुर में बाराबंकी के सांसद तनुज पुनिया ने बुजुर्ग महिला की हत्या के पीड़ित परिवार से मुलाकात की।

पुनिया ने परिवार को राहुल गांधी का शोक संदेश दिया और आर्थिक मदद भी प्रदान की। घटना 4 जून को मल्लावां कोतवाली क्षेत्र के इसरापुर गांव में हुई थी। 75 वर्षीय रामश्री लोधी बाजार से खोया बेचकर लौट रही थीं।

गांव के युवक पंचम ने उनका पीछा किया। महिला बचने के लिए एक घर में घुसीं, लेकिन आरोपी ने वहां भी गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में उसने महिला पर जादू–टोना करने का संदेह होने की बात कही। सांसद पुनिया ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए एससी–एसटी समुदाय को निशाना बनाए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की।

घरेलू विवाद में पति ने पत्नी के हाथ में मारी गोली

हरदोई, (संवाददाता)। जनपद के लोनार कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत बावन कस्बे में शनिवार सुबह एक घरेलू विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। ट्रक चालक अफसार ने मामूली कहासुनी के दौरान अपनी पत्नी शबाना को गोली मार दी। गोली दाहिने हाथ की हथेली में लगने से महिला घायल हो गई। घटना के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर लोनार कोतवाल उमेश त्रिपाठी और बावन चौकी प्रभारी राजीव सिंह तुरंत मौके पर पहुंचे और घायल महिला को बावन सीएचसी में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे मेडिकल कॉलेज हरदोई रेफर कर दिया। घटना के संबंध में पीड़िता शबाना ने बताया कि उसका पति सुबह करीब 6 बजे गाजियाबाद से घर आया था और आते ही बिना किसी वजह के मारपीट करने लगा। इसी दौरान उसने तमंचे से गोली चला दी, जिससे शबाना घायल हो गई। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद आरोपी अफसार को हिरासत में ले लिया। उसके पास से तमंचा और कारतूस भी बरामद हुए हैं। कोतवाल उमेश त्रिपाठी ने बताया कि महिला की हालत फिलहाल स्थिर है। उन्होंने यह भी कहा कि तहरीर मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सीओ हरपालपुर शिल्पा कुमारी ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम ने मौके से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए हैं। शिल्पा कुमारी ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

डंपर की टक्कर, एक युवक की मौत

रायबरेली,,(संवाददाता)। सलोन कोतवाली क्षेत्र में एक सड़क दुर्घटना में 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान नसीराबाद थाना क्षेत्र के बेवल गांव निवासी आदर्श मौर्या के रूप में हुई है। घटना उस समय हुई जब आदर्श मौर्य अपने साथी सुभाष प्रजापति के साथ बाइक से मनगढ़ धाम कुंडा जा रहे थे। सलोन के गदीपुर के पास रॉन्ग साइड से आ रही एक बाइक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इस टक्कर से आदर्श सड़क पर गिर गया। दुर्भाग्यवश उसी समय सामने से आ रहे डंपर ने आदर्श को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में सुभाष प्रजापति गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद डंपर चालक और दूसरी बाइक का चालक मौके से फरार हो गए।

सिद्धार्थनगर में बिजली गिरने से चार की मौत, एक गंभीर

गोरखपुर (संवाददाता)। बांसी कोतवाली क्षेत्र में शनिवार को तीन अलग– अलग स्थानों पर गरज चमक के साथ गिरी बिजली की चपेट में आने से चार युवकों की मौत हो गई जबकि एक गंभीर रूप से झुलस गया। घायल युवक को माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

तहसीलदार पीयूष श्रीवास्तव ने बताया कि बांसी कोतवाली क्षेत्र के गोहर–खुटहना मार्ग पर शनिवार को दोपहर बाद करीब सवा तीन बजे गिरी बिजली की चपेट में आने से पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद निवासी शाह जमाल मालिक (27) की मौत हो गई। वह गांव में फेरी लगाकर बर्तन आदि बदलने का काम करता था। इसी बीच समोगरा गांव के पास गिरी बिजली की चपेट में आने से सरेनिया निवासी कल्लू उर्फ रिजवान (33) और बाजारडीह निवासी सतीश यादव उर्फ लल्ला (27) की मौत हो गई। बाजारडीह गांव में बिजली गिरने से उड़वलिया गांव निवासी इरशाद (25) की मौत हो गई जबकि महबूब आलम (28) गंभीर रूप से झुलस गया। उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। घायल युवक को माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। तहसीलदार पीयूष श्रीवास्तव ने बताया कि बांसी कोतवाली क्षेत्र के गोहर–खुटहना मार्ग पर शनिवार को दोपहर बाद करीब सवा तीन बजे गिरी बिजली की चपेट में आने से पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद निवासी शाह जमाल मालिक (27) की मौत हो गई। वह गांव में फेरी लगाकर बर्तन आदि बदलने का काम करता था। इसी बीच समोगरा गांव के पास गिरी बिजली की चपेट में आने से सरेनिया निवासी कल्लू उर्फ रिजवान (33) और बाजारडीह निवासी सतीश यादव उर्फ लल्ला (27) की मौत हो गई।

सहजनवां में आकाशीय बिजली गिरने से एक की मौत

गोरखपुर (संवाददाता)। सहजनवां थाना क्षेत्र के भरपही गांव में रविवार की सुबह आकाशीय बिजली गिरने से एक किशोरी की मौत हो गई। वहीं, दो बच्चे घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, भरपहीं निवासी फेंकू की पुत्री खुशबू (11), छोटे भाई सागर का बेटा दो अजय (10) और बेटी ज्योति (12) आकाशीय बिजली गिरने से गंभीर रूप से झुलस गए। वह सुबह तेज हवा के झोंके में गांव के बाग में आम बीनने गए थे। गरज के साथ जब बिजली गिरी तो सभी उसकी चपेट में आ गये। जिसमें खूसबू ने मौके पर दम तोड़ दिया। बाग के पूर्व दिशा में मां काली का मंदिर है जहां महिलाएं पूजा करने गई थीं। बच्चों को अचेत देखकर सूचना दी। घर वाले घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गए। पुलिस ने खुशबू के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजवा दिया। जानकारी के मुताबिक, भरपहीं निवासी फेंकू की पुत्री खुशबू (11), छोटे भाई सागर का बेटा दो अजय (10) और बेटी ज्योति (12) आकाशीय बिजली गिरने से गंभीर रूप से झुलस गए।

आपसी विवाद में 350 आवंटियों की नहीं हुई रजिस्ट्री- पूरा भुगतान के बाद भी झेल रहे आवंटी

गोरखपुर (संवाददाता)। चिड़ियाघर के सामने निजी बिल्डर की तरफ से विकसित पाम पैराडाइज के 350 आवंटियों को अपने फ्लैट की न तो चाबी मिल रही है, न ही उसकी रजिस्ट्री हो पा रही है। आवंटियों का आरोप है कि बिल्डर्स कंपनी के पार्टनर्स में आपसी विवाद के चलते रजिस्ट्री रुक गई है। आवंटी पूरी रकम चुकाने के बाद रजिस्ट्री के लिए मालिकों के चक्कर लगा रहे हैं।

शहर के तीन उद्यमियों अतुल सराफ, विकास केजरीवाल और निष्काम आनंद ने मिलकर वर्ष 2015–16 में पाम पैराडाइज योजना लांच की थी। इसे ऐश्प्रा लाइफ स्पेसेज नाम दिया गया था। बुकिंग की सारी रकम इसी कंपनी के खाते में जाती थी। शनिवार को पाम पैराडाइज के आवंटियों ने गोरखपुर जर्नलिस्ट प्रेसक्लब में प्रेसवार्ता कर अपनी समस्या बताई। रेजिडेंट वेलफेयर सोसाइटी के सचिव आलोक मोदी ने कहा कि पिछले एक साल से फ्लैट की रजिस्ट्री रुक गई है। कुछ ग्राहकों ने 80 से 90 प्रतिशत भुगतान कर दिया है, लेकिन उनको चाबी नहीं मिल रही। बैंक से लोन लेकर लोगों ने भुगतान किया है। फ्लैटध्भूखंड नहीं मिलने के कारण बैंक की ईएमआई के साथ–साथ घर का किराया भी दे रहे हैं। आरोप लगाया कि ग्राहकों की ओर से बार–बार रजिस्ट्री का आग्रह करने पर एक साझेदार अतुल सराफ रजिस्ट्री के लिए सहमत हैं, लेकिन अन्य दो साझेदार लंबित रजिस्ट्री फाइलों पर हस्ताक्षर नहीं कर रहे हैं। ग्राहकों से उनका जवाब रहता है–हमारा आपसी हिसाब–किताब जब तक पूर्ण नहीं हो जाता, तब तक रजिस्ट्री पर हस्ताक्षर नहीं किया जाएगा।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ लोगों की पैरवी के बाद रजिस्ट्री हो जा रही है। इस संदर्भ में आवंटियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जनता दर्शन में ज्ञापन दिया था। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान ललित सिंघल, गौतम त्रिपाठी, पुरुषोत्तम अग्रवाल, दीपक मोदी, डॉ. आमोद राय आदि मौजूद रहे। इस मामले में निष्काम आनंद से बात करने की कोशिश की गई, लेकिन नहीं हो सकी। वहीं, उनके पिता जगदीश आनंद ने इस प्रकरण पर कुछ भी कहने से इन्कार कर दिया। पाम पैराडाइज में तीन पार्टनर हैं। ऐश्प्रा लाइफ स्पेसेज के खाते में रुपये जाते थे। 2020–21 तक अकाउंट्स का सारा काम विकास केजरीवाल देखते थे। वर्ष 2024 में विकास केजरीवाल और निष्काम आनंद ने कहा था कि वे लोग प्रोजेक्ट छोड़ना चाहते हैं। ऑडिट की बात पर वे लोग तैयार नहीं हुए। बाद में तय हुआ कि एक रकम तय हो जाए, जिसे लेकर वे लोग निकल जाएं। लेकिन इन्होंने जो रकम बताई, वह काफी ज्यादा थी। दिसंबर 2024 में मीटिंग में एक रकम तय हुई। दोनों लोग मान भी गए, लेकिन फिर पलट गए। अपनी बात का दबाव बनाने के लिए इन्होंने ग्राहकों की रजिस्ट्री करनी बंद कर दी। अब इससे ग्राहक परेशान हो रहे हैं।

गंदगी से बजबजा रहीं नालियां,

लखीमपुर खीरी, (संवाददाता)। भीरा की ग्राम पंचायत मटैहिया के बोझवा गांव में साफ–सफाई का हाल काफी खराब है। नालियों की सफाई न होने से जहां गंदगी का अंबार लगा हुआ है। वहीं, मच्छरों के आतंक से लोगों का जीना मुहाल है। नालियों भी ठीक नहीं हैं, जिससे ग्रामीण काफी परेशान हैं। बिजुआ ब्लॉक में आने वाले मटैहिया ग्राम पंचायत के बोझवा गांव के ग्रामीणों ने बताया कि करीब पांच साल से बनी नाली दोनों तरफ से टूट गई है। फिर भी नालियों का निर्माण नहीं कराया जा रहा है। हल्की बारिश में नालियों का गंदा पानी सड़क पर भर जाता है और ग्रामीण जलभराव के बीच से होकर गुजरने के लिए मजबूर होते हैं। भीषण गर्मी पड़ रही है और नालियों में फैली गंदगी पर मच्छरों की संख्या बढ़ रही है। इससे ग्रामीण भी बीमार पड़ रहे हैं।

सुबह लगभग पांच बजे एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से पुलिस ने पी एम के लिए भेज दिया,

उतरौला बलरामपुर थाना कोतवाली उतरौ ला अन्तर्गत ग्राम पंचा यत बिथरिया परसपुर के मजरा भक्सनिया में शनिवार की सुबह लग भग पांच बजे आरती देवी पत्नी विक्रम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों के रोने की आवाज को सुनकर गांव के लोग इकट्ठा हो गए। मायके वालों ने मौके पर पहुंच कर ससुरालियों पर हत्या का आरोप लगा कर पुलिस को एक प्रार्थना पत्र दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पचनामा करके पोस्ट मार्टम के लिए जिले पर भेजकर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को सुबह लगभग पांच बजे आरती देवी आयु लगभग (27) वर्ष पत्नी विक्रम की संदिग्ध परि स्थितियों में मौत होगई। रोने की आवाज सुनकर सभी गांव वाले इक्कठा हो गए। मृतका कसास केवला देवी ने बताया कि बहु आरती देवी लम्बे समय से बीमार चल रही थी। रविवार को ही मृतका के छोटे पुत्र का मुंडन का कार्य क्रम था। सब मेहमान इक्कठा हो गए थे। बहु शुक्रवार को ही जुआ थान स्थित एक निजी हॉस्पिटल से दवा करवा कर आई थी। इस कार्य क्रम की तैयारी चल रही थी। सुबह अचानक बहु की तबियत बिगड़ जाने से उसकी सांस थम गई। बताते चलें कि आरती देवी की शादी 2016 में हुई थी। मात्र एक सात वर्षीय बेटी और दो बेटे है। वहीं पर मृतका के मायके वालों ने पहुंचकर ससुरार वा लियों पर हत्या का आ रोप लगाकर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर पी एम के लिए भेजकर भेज कर जांच शुरू कर दी।प्रभारी निरीक्षक अव धेश राज सिंह ने बताया कि घटना के सम्बन्ध ा में विधि कार्यवाही चल रही है पी एम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति साफ हो जाएगी।

मोहल्ला रफी नगर में स्थित हर्षा हॉस्पिटल के पास नाली चोक होने से सड़कों पर पानी का जमावड़ा बना रहता है।

उतरौला बलरामपुर स्वच्छ भारत मिशन के तहत लाखो रूपये खर्च होने के बाद भी नगर पालिका परिषदउतरौला क्षेत्र की बदहाल गन्दगी के चलते सफाई व्यव स्था सुधरने का नाम नहीं ले रही है। गन्दगी के होने से वार्डों की स्थिति दयनीय है, घरों से निकलने वाला पानी नाली चोक होने से सड़को पर पानी बह रहा है। मोहल्ला रफी नगर हर्षा हॉस्पिटल के पास लगभग तीन माह पूर्व नाली का निर्माण कराया गया था, लेकिन घरो से निकल करनाली में बहने वाली गन्दा पानी की कोई भी व्यव स्था न होने से नाली का गन्दा पानी सड़क पर बह रहा है। नाली में जमा पानी से उठने वाली दुर्गंध होने से वार्ड वासियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।जिस से संक्रामक बीमारी फैलने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। वार्ड के निवासी मलिक रसीद, नूह मलिक, राजू कुरै शी,सलमान,शाहिद,प्रभाकर वर्मा ने बताया कि नाली की सफाई व जल निकासी के लिए कई बार प्रार्थना पत्र देकर नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी व कर्मचारी से मांग की गई लेकिन कोई सुनवाई अभी तक नहीं हुई। अधिशासी अधि ाकारी राजमणि वर्मा ने पूछने पर बताया कि सफाई कर्मी की टीम लगाकर नाली की सफाई व जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

सपा के जिला सचिव फिरोज अहमद खां ने अपने साथियों के रक्त दान करते हुए

उतरौला बलरामपुर तहसील के सामने स्थित फ्यूचर केयर ब्लड बैंक में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सपा के जिला सचिव फिरोज अहमद खान ने अपने अन्य साथी अविनाश यादव, कमाल पाशा, कौशल, मशरुफ अहमद खां, युसूफ अली, मोहम्मद असद खां, विपिन कुमार राज भर, सुरेश कुमार चौहान, दिलीप कुमार वर्मा,के साथ रक्तदान डोनेट किया। रक्तदान करने वाले सभी लोगों को उत्तर प्रदेश संचरण परिषद के द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान भी किया गया। सपा के जिला सचिव फिरोज अहमद खान ने कहा कि ये सर्टिफिकेट जरू रत मंदो को खून की कमी नहीं होने देगी। जरूरत मंद मेरा या मेरे द्वारा करवाए गए लोगों का प्रमाण पत्र ले जा कर फ्युचर केयर ब्लड बैंक से ब्लड ले सकते है। यह दिन सभी रक्त दाताओं के सम्मान में समर्पित है जिन्होंने निःस्वार्थ भाव से दूसरे की जीवन रक्षा के लिए रक्तदान किया है। उन्होंने रक्तदान करने वाले सभी साथियों की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान महा दान है और आप सबों ने रक्त दान कर एक मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा कि एक यूनिट रक्त किसी की जिन्दगी बचा सकता है। फिरोज अहमद खां ने लोगों से नियमित रूप से रक्त दान कराने की अपील की।

जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर पदयात्रा को किया रवाना

स्पोर्ट्स स्टेडियम भिनगा में ''योग सप्ताह'' कार्यक्रम का हुआ शुभारम्भ

मा0 अध्यक्ष, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं मुख्य विकास अधिकारी ने दीप प्रज्वलित कर किया शुभारंभ

व्यायाम से बढ़ती है शरीर की प्रतिरोधक क्षमता–मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत

15 से 21 जून, 2025 तक चलेगा योग सप्ताह – जिलाधिकारी

श्रावस्ती, 15 जून, 2025। सू0वि0। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आज से ''योग सप्ताह'' कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। उक्त कार्यक्रम के तहत आज जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी एवं मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर से पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। तत्पश्चात स्पोर्ट्स स्टेडियम भिनगा पहुंचकर मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत दद्दन मिश्र, जिलाधिकारी,पुलिस अध ीक्षक घनश्याम चौरसिया, मुख्य विकास अधिकारी एवं अपर जिलाधि ाकारी ने दीप प्रज्वलित कर एवं भगवान धन्वंतरि जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर योग सप्ताह का शुभारंभ किया। इस दौरान माननीय जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने योगाभ्यास किया। इस दौरान प्रतिभागिओं को आयुष कॉमन योग प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया गया।

इस अवसर पर मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत ने कहा कि व्यायाम करने से हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती हैं जो कि हमें विभिन्न बीमारियों से बचाव करते हुए स्वस्थ रखता हैं। साथ ही यह दिमाग और शरीर की एकता को भी बनाये रखता है। योग मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य भी है। योग एवं व्यायाम विचार, संयम और पूर्ति प्रदान करने वाला है तथा अनेकों स्वास्थ्य लाभ और भलाई के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को भी प्रदान करता हैं। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मन शांति के लिए भी व्यायाम करना लाभदायक है।

इस दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि 21 जून को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पहले योग सप्ताह की शुरुआत की गई है, जो 15 से 21 जून, 2025 तक चलेगा। जिसमें नियमित योगाभ्यास कार्यक्रम के जरिए कैसे स्वस्थ रहा जाए, इसके टिप्स दिए जायेंगे। उन्होने कहा कि योग करने से हमारे शरीर को विभिन्न बीमारियों से बचाया जा सकता है। साथ ही यह दिमाग और शरीर की एकता को भी बनाये रखता है।

उन्होने यह भी बताया है कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार ''11वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस'' के अवसर पर जिले के समस्त योग वेलनेस सेंटर, हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर्स, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, आयुष हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर्स एवं अन्य चिकित्सालयों में योगाभ्यास के कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। उन्होने जनपद वासियों से योगाभ्यास में बढ़–चढ़कर भारीदारी निभाने हेतु अपील की है।

योगाभ्यास कार्यक्रम में योग वेलनेस सेंटर के योग प्रशिक्षक अरूण कुमार एवं योग सहायकों द्वारा योग प्रशिक्षण को सम्पन्न कराया गया।

इस दौरान योगाभ्यास में उपजिलाधिकारी संजय कुमार, राजकीय आयुर्वेदिक यूनानी अधिकारी डा0 रामकृपाल सहित भारी संख्या में योगाभ्यासियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

भीषण गर्मी के चलते बिजली के द्वारा लुका छिपी और लो वोल्टेज के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त है।

उतरौला बलरामपुर उत्तर भारत के कई हिस्सों में भीषण गर्मी और हीटवेव की चपेट में चल रहे हैं, वहीं उतरौला क्षेत्र के लोगों की मुश्किलें बिजली की अनियमित आपूर्ति और लो वोल्टेज की समस्या ने और बढ़ा दी हैं। एक तरफ झुलसाने वाली गर्मी, दूसरी ओर पंखों और कूलरों का न चल ना लोगों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है।

विशेष कर चमरूपुर फीडर के अन्तर्गत आने वाले शाहपुर इटई,भड़ वा जोत, बनगवा, महदे इया, फकिरापुर, बनक टवा, बढ़या पकड़ी, गोगाथर, नया नगर, विशुन पुर, बेथुइया सहित तमाम अन्य गांवों में बिजली आपूर्ति दिन–रात मिलाकर केवल चार से पांच घंटे ही हो पा रही है।जिससे आम जनजीवन पूरी तरह अस्त–व्यस्त हो रहे है। क्षेत्रवासियों के अनु सार, पिछले कई दिनों से बिजली की सप्लाई या तो बहुत कम वोल्टे ज के चलते बिजली बार बार ट्रिपिंग से पूरी तरह से बाधित है। लो वोल्टेज के कारण पंखे, कूलर और फ्रिज जैसे जरूरी उपकरण भी काम नहीं कर पा रहे हैं। दुकानदारों और व्यापारियों को भी बिजली की समस्या के कारण भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

गर्मी के साथ बिजली की आंख मिचौली ने रात्रि में जीना भी प्रभा वित कर दिया है। देर रात तक बिजली की सप्लाई न रहने से लोग खुली छतों और बाहर मैदानों में सोने को मज बूर हो गए हैं। मच्छरों और गर्म हवा के थपेड़ों से खास कर बुजुर्ग, बच्चे और मरीज काफी परेशान हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बिजली विभाग को कई बार इसकी शिका यतें दर्ज कराई है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्य वाही नहीं हुई है। क्षेत्रीय नागरिक मोहम्मद खलील खां मोबीन अहमद खां मोहम्मद असलम शब्बीर अहमद और प्रेम शंकर यादव ने बताया कि अगर जल्द बिजली व्यवस्था नहीं सुधरी तो जन आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा स्थानीय लोगों ने जिला धि ाकारी और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों से बिजली समस्या के स्थाई रूप से समाधान की मांग की है। उनका कहना है कि एक ओर तो सरकार बिजली कनेक्शन और बिल वसूली पर जोर देती है, वहीं आपूर्ति और गुण वत्ता की जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया जाता है। नगर क्षेत्र और ग्रामीण अंचलों में फीडर से जुड़े गांवों में हीटवेव और बिजली संकट का यह संगम जनता के लिए किसी आपदा से कम नहीं। अगरबिजली विभाग और प्रशासन ने जल्द से जल्द ठोस कदम नहीं उठाई, तो आने वाले दिनों में इसकी स्थिति और भी गम्भीर हो सकती है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के तहत आज जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी एवं मुख्य विकास अधि ाकारी शाहिद अहमद द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर से पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। तत्पश्चात स्पोर्ट्स स्टेडियम भिनगा पहुंचकर मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत दद्दन मिश्र, जिलाधिकारी,पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया, मुख्य विकास अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी ने दीप प्रज्वलित कर योग सप्ताह का शुभारंभ किया तथा योगाभ्यास किया।

इस दौरान समस्त अधिकारी व कर्मचारी तथा भारी संख्या में छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन किया गया।

उतरौला बलरामपुर

विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन 14 जून 2025 को आर जे मैरिज हॉल खरदौरी में किया गया, इसके मुख्य अतिथि सदर विधायक पल्टू राम रहे। सदर विधायक ने संबोधित करते हुए कहा कि, सरकार कि योजनाओं को हर गरीब परिवार तक पहुंचाई जा रही है, सुकन्या योजना जनधन योजना किसान सम्मान निधि योजना, वृद्धा पेंशन, विकलांग पेंशन, आदि ऐसे तमाम योजनाओं के बारे मे सभी कार्यकर्ता गणों को जानकारी दी, अपने सभी कार्यकर्ताओं को बताया गया कि आप लोग सभी जनमानस के घर जाकर जागरूक करें। सरकार के योजना ओं के बारे में सभी को जानकारी दे। इस मौके पर ओम प्रकाश, त्रिगु णायक, प्रभात सिंह,ओम प्रकाश गुप्ता,रणविजय सिंह, जितेन्द्र तिवारी, प्रवेश कुमार वर्मा, छटठी राम यादव, नागेन्द्र वर्मा, राघव राम वर्मा, राम फेरन, अनिल कुमार वर्मा, भीष्म सेन राज भर, विनोद कुमार गौत म,रोमी सिंह, दिनेश सिंह, अखिलेश सिंह, अनुराग सिंह, रंजीत यादव, नन्द किशोर मिश्रा,राम दास, राम उजागर वर्मा,सहित तमाम भाजपा पदाधि कारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

क्या 30 जून तक पूरी तरह से बंद होंगे प्रदेश के प्राइमरी स्कूल? अभी सोमवार से टीचरों को आना है...

लखनऊ (संवाददाता)। परिषदीय विद्यालयों में बच्चों की छुट्टी 30 जून तक बढ़ा दी गई है, जबकि शिक्षकों व कर्मचारियों को 16 जून से स्कूल आना होगा। बेसिक शिक्षा परिषद के इस आदेश को लेकर शिक्षक संगठनों में काफी नाराजगी है।

उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए परिषदीय विद्यालयों को 30 जून तक पूरी तरह बंद रखने की मांग की है। विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के प्रांतीय अध यक्ष संतोष तिवारी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मांग की कि परिषदीय विद्यालयों को पूर्व की भांति ही चलाया जाए। पूर्व में परिषदीय विद्यालयों को गर्मी की छुट्टियों के बाद एक जुलाई से चलाया जाता था। हाल के वर्षों में कॉन्वेंट स्कूलों की तर्ज पर 16 जून से स्कूल खोलने का प्रावधान कर दिया गया। प्रदेश के स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है। ऐसे में बिना किसी काम के शिक्षकों को स्कूल बुलाने का निर्णय अव्यवहारिक है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष शालिनी मिश्रा ने कहा कि प्रदेश में बहुत से विद्यालय एकल शिक्षक वाले हैं। ऐसे में शिक्षकों की सुरक्षा भी एक प्रमुख बिंदु है।

महासचिव दिलीप चौहान ने कहा जून सबसे गर्म माह होता है। वर्तमान में प्रदेश के कई जिलों में तापमान 40 से 50 डिग्री सेल्सियस है। इसका विपरीत असर शिक्षकों

नवाचार के लिए इंस्पायर योजना में आवेदन शुरू

लखनऊ (संवाददाता)। केंद्रीय विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान (एन आईएफ) की इंस्पायर मानक अवॉर्ड योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो रही है। इसके तहत इस बार नवाचारों की गुणवत्ता बढ़ाने और अधिक विद्यार्थियों को योजना से जोड़ने पर विशेष जोर रहेगा। योजना के संचालन की जिम्मेदारी जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) और बेसिक शिक्षा अधि ाकारियों (बीएसए) को सौंपी गई है। माध्यमिक शिक्षा विभाग ने सभी स्कूलों को तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। अब तक योजना में कक्षा 6 से 10 तक के छात्र ही भाग लेते थे, लेकिन पहली बार 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को भी शामिल किया गया है।

राष्ट्रीय सूचनाअधिकार मानवाधिकार एवं पर्यावरण संरक्षण संगठन की हुई बैठक

वाराणसी राजेश सेठ

राष्ट्रीय सूचनाधिकार, मानवाधिकार एवं पर्यावरण सरंक्षण संगठन" के राष्ट्रीय सलाहकार दीपक कुमार श्रीवास्तव ने वाराणसी मण्डल में निवासरत संगठन के सभी सदस्यों ६ पदाधिकारियों की एक बैठक आज दिनाक 15ः06ः2025 जून को प्रातः10बजे तृतीय मासिक बैठक किया जिसमे आगामी महीनों में विविध कार्यक्रम की चर्चा की गई बैठक की अध्यक्षता वाराणसी महानगर मंडल अध्यक्ष श्री विजय जायसवाल जी ने किया ,

संगठन के राष्ट्रीय सलाहकार दीपक कुमार श्रीवास्तव ने इस बैठक में पर्यावरण दिवस की सफलता हेतु सबको बधाई दी एवं वर्तमान समय में भीषण गर्मी में आम आदमी और वो पशु पक्षी जिनका कोई आसरा नहीं होता उस पर अपनी संस्था की जिम्मेदारी और उसी के प्रचार और प्रसार आम जन मानस में करने की सभी सदस्यों से अपील किया एवं संस्था के बढ़ती हुई सहभागिता को ध्यान में रखकर अपने दायित्वों का निर्वहन करने का अनुरोध किया जिसे सभी सदस्यों ने सराहा और क्रियान्वयन करने का भरोसा दिया

प्रदेश संयोजक श्री हरिमोहन सिंह टप्पू बाबू प्रदेश संयोजक जी ने सभी नए पदाधिकारियों से व्यक्तिगत एक बात विशेष रूप से कही की अनावश्यक दुष्प्रचार से बचे और सरकार के पूर्व में दिए गए माप दंड मानवाधिकार एवं पर्यावरण पर अमल करने का अनुरोध ा किया स वृक्षारोपण किए गए सारे पौध ों पर पूर्ण निरीक्षण उसको स्वस्थ रखें गरीब कन्याओं की शादी गरीब बच्चे जो किन्हीं कारण पढ़ नहीं पा रहे हैं यह संस्था उनके लिए सदैव तत्पर रहती है और कार्य कर रही है इस उपलक्ष में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक जी ने संस्था की तरफ से निशुल्क भोजन वितरण निशुल्क दवा वितरण देश के कुछ जगहों पर प्रारंभ कर दिया है आने वाले समय में पूरे देश में हम लोग उनके संकल्प को लेकर चलेंगे और

आज की बैठक में स्थित थे गरिमा सिंह गौतम ने प्राइवेट विद्यालयों में मनमानी शुल्क लेने पर असहाय गरीब कन्याओं की उत्पीड़न पर सबके ध्यान को आकर्षित किया और कहां की इस क्षेत्र में बहुत कार्य हम लोगों को मिलकर करना है सरकार के साथ भी मिलकर करना है और संगठन के साथ हम लोगों को व्यक्तिगत करना है महानगर अध्यक्ष श्री धनंजय जी ने ईंट के भट्टे पर कम उम्र के बच्चो द्वारा श्रम जो की गैरकानूनी उस पर भी कार्य करने की बात की अंत में धन्यवाद ज्ञापन सुश्री पूर्णमय सोनी जी ने दिया और बैठक में आए सभी पदाधिकारियों के प्रति अपनी कृत्यज्ञता प्रदान की

माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों की तबादला लिस्ट जारी, तत्काल कार्यमुक्त करने के हुए आदेश भी

लखनऊ (संवाददाता)। माध यमिक शिक्षा विभाग ने शनिवार देर रात राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में तैनात 129 सहायक अध्यापकों (एलटी ग्रेड) का तबादला आदेश जारी किया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव की ओर से जारी आदेश के अनुसार पिछले दिनों लिए गए ऑनलाइन आवेदन के बाद आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर तबादला किया गया है। उन्होंने सभी संबंधित डीआईओएस को निर्देश दिया है कि वह तबादला पाने वाले शिक्षकों को तुरंत कार्यमुक्त करना सुनिश्चित करेंगे। प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों व प्रधानाध्यापकों के ऑनलाइन तबादले का आदेश तो जारी कर दिया गया। किंतु माध्यमिक शिक्षा विभाग के इस आदेश को प्रबंधन अंगूठा दिखा रहे हैं। वहीं आवेदन की तकनीकी दिक्कतों से लेकर शिक्षक, दोहरी दिक्कत से जूझ रहे हैं। एडेड कॉलेजों के शिक्षकों–प्रध ानाध्यापकों के तबादले के लिए ऑनलाइन आवेदन की शनिवार को आखिरी तिथि थी। किंतु आखिरी दिन शिक्षक आवेदन के लिए जूझते रहे। हरिहरपुर संत कबीर नगर के शिक्षक अमन चौधरी ने बताया कि मानव सम्पदा आईडी व मोबाइल नंबर अंकित करने पर ओटीपी नहीं आ रहा था। इसकी वजह से आवेदन नहीं कर सके। इसी तरह राकेश द्विवेदी ने बताया कि आवेदन में सहयोग के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय व लखनऊ में बने कंट्रोल रूम से संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन कोई रिस्पांस नहीं मिला। वहीं एक शिक्षक ने बताया कि तबादले के लिए मानव संपदा पोर्टल पर आवेदन किया है। किंतु प्रबंधक पत्रावली आगे नहीं बढ़ा रहे हैं। वह इसके लिए खुलकर सुविधा शुल्क की मांग कर रहे हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से कोई मदद नहीं की जा रही है। उत्तर प्रदेश माध यमिक शिक्षक संघ (चंदेल गुट) के प्रदेश मंत्री संजय द्विवेदी ने कहा कि विभाग में ऑनलाइन तबादला प्रक्रिया मजाक बनकर रह गई है। ऑनलाइन तबादला आदेश के बाद भी कई जिलों में ऑफलाइन पत्रावली पर बैकडेटिंग करके एनओसी दी जा रही है।

अखिलेश यादव बोले, विमान हादसे के बाद हवाई यात्रा से डरने लगे लोग, पहलगाम हमले पर उठाए सवाल

लखनऊ (संवाददाता)। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने पूर्व सांसद छोटे सिंह यादव के घर पहुंचकर अंतिम विदाई दी। कहा कि छोटे सिंह यादव पार्टी के संस्थापक सदस्य थे। बुरे वक्त में भी नेताजी से दूर न होने वालों में उनकी गिनती थी। कहा कि अब तो हवाई यात्रा करने से भी लोगों को डर लगने लगा है। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले में चूक कहां हुई, इसका जवाब नहीं मिला। विमान हादसा दुखद है। अब विमान में यात्रा करने से लोगों को डर लगने लगा है। जहां तक यूपी की बात है, तो भ्रष्टाचार हावी है। किसान परेशान है, बिजली नदारद है और युवा नौकरी के लिए तरस रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह जातिगत जनगणना के पक्ष में हैं। कहा कि यह वक्त सवालों के जवाब देने का नहीं है यहां वह गम में शरीक होने आए हैं। मालूम हो कि अखिलेश यादव शनिवार को फर्रुखाबाद में थे। सपा मुखिया वापस जाते समय युवजन सभा के राष्ट्रीय सचिव जितेंद्र सिंह यादव के आवास पर रुके। वहां कुछ प्रमुख नेताओं से बातचीत की। संगठनात्मक जानकारी ली। इसी दौरान मोबाइल फोन बंद करवाकर कहा कि विधानसभा चुनाव में संभावित प्रत्याशियों के जातिगत हिसाब से नाम भेजें।

उन्होंने प्रमुख पदाधिकारियों को लखनऊ में बात करने को कहा। कहा कि छोटे सिंह यादव पार्टी के संस्थापक सदस्य थे। बुरे वक्त में भी नेताजी से दूर न होने वालों में उनकी गिनती थी। कहा कि अब तो हवाई यात्रा करने से भी लोगों को डर लगने लगा है। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले में चूक कहां हुई, इसका जवाब नहीं मिला।

मकान बनने के बाद पता चला नगर निगम की है जमीन

लखनऊ (संवाददाता)। पीजीआई के साउथ सिटी निवासी डॉ. संतोष कुमार ने बिजनौर में 31 लाख का प्लॉट खरीदने के बाद 1. 5 खरोड़ खर्च कर उस पर मकान बनवा लिया तो उन्हें पता चला कि यह नगर निगम के स्वामित्व वाली सरकारी जमीन है।

मामले में उन्होंने दो प्रॉपर्टी डीलरों और जमीन की रजिस्ट्री करने वाले व्यक्ति पर फर्जीवाड़ा कर उन्हें सरकारी जमीन बेचने का आरोप लगाते हुए बिजनौर थाने में केस दर्ज कराया है। डॉ. संतोष कुमार के मुताबिक, पड़ोसी उमाकांत शर्मा व उसके दोस्त विकास उर्फ गगन ने बिजनौर के सरवन नगर में अपनी प्लाटिंग बताते हुए वहां 2000 स्क्वायर फुट का प्लॉट दिखाया। प्लॉट पसंद आने पर संतोष ने 31 लाख रुपये का भुगतान कर 12 दिसंबर 2020 को उसकी रजिस्ट्री पत्नी गीता के नाम कराई। रजिस्ट्री उमाकांत, विकास के साथी राम औतार ने की। जमीन खरीदने के बाद डॉ. संतोष कुमार ने करीब डेढ़ करोड़ रुपये खर्च कर मकान बनवा लिया।

गर्मी में लग्जरी ट्रेनों की कूलिंग बंद, पानी न होने की शिकायतें, वंदे भारत-महामना ट्रेनों के बुरे हाल

लखनऊ (संवाददाता)। गर्मियों में ट्रेनों में सफर करना मुसाफिरों के लिए बड़ी परेशानी बन गया है। कई ट्रेनों की एसी बोगियों में कूलिंग बंद है, पानी नहीं है और सफाई की हालत भी खराब है। कॉकरोच तक इसमें घूम रहे हैं। ये दिक्कतें उन ट्रेनों में भी हैं, जिन्हें लग्जरी माना जाता है। शिकायतों के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

गाड़ी संख्या 15115 लोकनायक एक्सप्रेस में सफर कर रहीं सृष्टि ने बताया कि उनकी थर्ड एसी बोगी में काफी गंदगी थी और कॉकरोच घूम रहे थे। उन्होंने छपरा से मुरादाबाद तक के टिकट पर करीब छह हजार रुपये खर्च किए थे, लेकिन सुविधाएं नहीं मिल सकीं। 22418 महामना एक्सप्रेस के यात्री रविंद्र ने बताया कि बी–3 कोच में पानी नहीं था, जिससे शौचालय का इस्तेमाल भी मुश्किल हो गया। 12554 वैशाली एक्सप्रेस में भी यात्रियों को पानी नहीं मिला। लखनऊ स्टेशन तक पहुंचने के बाद भी बोगी में पानी नहीं भरा गया। 11123 ग्वालियर–बरौनी एक्सप्रेस की सेकंड एसी कोच ए–1 में सफर कर रहीं रितम ने बताया कि एसी काम नहीं कर रहा था, जिससे यात्री पसीने से भीगते रहे। इसी ट्रेन के यात्री राजकुमार ने भी थर्ड एसी कोच में कूलिंग न होने की शिकायत की। कुछ ट्रेनों में कन्फर्म टिकट वाले यात्रियों की सीटों पर जनरल टिकट वाले लोग बैठ गए। 11080 गोरखपुर–मुंबई एक्सप्रेस में आजाद अंसारी को उनकी एस–4 स्लीपर बोगी की सीट आरपीएफ की मदद से वापस मिल पाई। 12565 बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में एम–1 कोच के यात्री आरबी त्रिवेदी को भी आरपीएफ ने उनकी सीट दिलवाई। भीषण गर्मी की वजह से ट्रेनों में यात्रियों की तबीयत भी बिगड़ रही है। 22418 महामना एक्सप्रेस की सेकंड एसी बोगी में सफर कर रहे प्रदीप कुमार ने बताया कि एसी न चलने से उनकी बेटी की तबीयत खराब हो गई। वैशाली एक्सप्रेस में भी यात्री राहुल मिश्रा की तबीयत गर्मी से खराब हुई। दोनों मामलों में शिकायत के बाद इलाज की व्यवस्था की गई। वाराणसी से दिल्ली जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को कानपुर स्टेशन पर रोकना पड़ा। यात्री प्रशांत मिश्र ने बताया कि ट्रेन में करीब 45 मिनट तक बिजली नहीं थी, जिससे यात्रियों को गर्मी में दिक्कत हुई। इध ार, लखनऊ जंक्शन पहुंचने वाली डबलडेकर एक्सप्रेस दो घंटे लेट रही। 12420 गोमती एक्सप्रेस की थर्ड एसी बोगी में गंदगी की शिकायत मिली। वहीं, चारबाग स्टेशन पर रेलनीर पानी न मिलने की शिकायत यात्री आसिफ अहमद ने की। कॉकरोच तक इसमें घूम रहे हैं। ये दिक्कतें उन ट्रेनों में भी हैं, जिन्हें लग्जरी माना जाता है। शिकायतों के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

उपभोक्ता की दुनिया
साध्य हिन्दी दैनिक
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शारदा प्रसाद पाठक द्वारा शंकर प्रिंटिंग प्रेस निकट भरत मिलाप चौराहा, नई बाजार भिनगा से मुद्रित तथा ग्राम हन्नामार पोस्ट गिलौला जनपद श्रावस्ती उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक
भगवान दीन पाठक
मो0– 91 94504 54367, 91 96530 13722
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र श्रावस्ती होगा।